संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 282
पृष्ठ 8
शुक्रवार
04 जुलाई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- हर उम्र में जवां दिखने का राज...
विचार- कोल्हापुरी चप्पल की अंतरराष्ट्रीय...
खेल- एजबेस्टन में शतक लगाने वाले दूसरे...

योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला: अखिलेश की जेपीएनआईसी परियोजना को किया एलडीए के हवाले

लखनऊ, संवाददाता। पिछले लंबे अरसे से राजनीतिक मुद्दे के तौर पर चर्चा पर रहे जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) परियोजना को लखनऊ विकास प्राधिकरण को सौंप दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक में जेपीएनआईसी को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को सौंप दिया गया है। इसके साथ ही, परियोजना के संचालन के लिए गठित जेपीएनआईसी सोसाइटी को भंग कर दिया गया। सरकार ने इस परियोजना को पूरा करने, इसके रखरखाव और संचालन की जिम्मेदारी एलडीए को दी है। मंत्रिमंडल ने जेपीएनआईसी सोसाइटी को भंग करते हुए परियोजना को यथास्थिति एलडीए को हस्तांतरित करने का फैसला किया है। अब एलडीए न केवल इस केंद्र का संचालन करेगा, बल्कि इसके रखरखाव और पूर्ण करने की प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाएगा। परियोजना को निजी सहभागिता के जरिए संचालित करने, प्रक्रिया और शर्तें तय करने, सोसाइटी की सदस्यता समाप्त करने और अन्य अनुषांगिक कार्यों के लिए एलडीए को पूर्ण रूप से अधिकृत किया गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुये पत्रकारों को बताया कि जेपीएनआईसी परियोजना के लिए शासन द्वारा अब तक अवमुक्त 821.74 करोड़ रुपये की धनराशि को एलडीए के पक्ष में स्थानांतरित ऋण माना जाएगा। एलडीए को इस राशि को आगामी 30 वर्षों में चुकाना होगा। यह व्यवस्था सुनिश्चित करेगी कि परियोजना के संचालन और रखरखाव के लिए वित्तीय बोझ को व्यवस्थित तरीके से संभाला जाए, साथ ही परियोजना जनता के लिए उपलब्ध हो सके। जेपीएनआईसी परियोजना के तहत लखनऊ में एक आधुनिक और विश्वस्तरीय केंद्र विकसित किया जा रहा है। इसमें राज्य स्तर का ऑडिटोरियम, कन्वेंशन सेंटर, विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स कोर्ट की सुविधा होगी। इसके अलावा, 750 चार पहिया वाहनों की मल्टी–लेवल पार्किंग की व्यवस्था भी उपलब्ध होगी। ये सुविधाएं जनमानस के लिए खुली होंगी, जिससे लखनऊ के नागरिकों को एक आधुनिक और बहुउद्देश्यीय केंद्र का लाभ मिलेगा। उन्होने कहा कि जेपीएनआईसी, जिसे सपा सरकार ने 2013 में शुरू किया था, शुरू से ही भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी रही। 2017 में योगी सरकार के सत्ता में आने के बाद परियोजना में अनियमितताओं की जांच शुरू हुई, जिसके चलते निर्माण कार्य रोक दिया गया। कैग की रिपोर्ट में बिना टेंडर के काम कराने और लागत में अनावश्यक वृद्धि जैसे गंभीर आरोप सामने आए थे। 860 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने के बावजूद परियोजना अधूरी रही, जिसे अब योगी सरकार एलडीए के माध्यम से पूरा करने की दिशा में कदम उठा रही है। एलडीए को परियोजना को निजी सहभागिता के जरिए संचालित करने का अधिकार दिया गया है। इसके तहत, रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरईएफ) और लीज या रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल के माध्यम से निजी एजेंसियों को शामिल किया जाएगा।इससे न केवल परियोजना के बचे हुए कार्य पूरे होंगे, बल्कि इसका रखरखाव और संचालन भी बिना अतिरिक्त सरकारी खर्च के सुनिश्चित होगा। यह मॉडल परियोजना को आत्मनिर्भर बनाने और जनता के लिए उपयोगी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पिछले आठ वर्षों से बंद पड़े इस केंद्र को अब एलडीए के नेतृत्व में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान की तर्ज पर संचालित किया जाएगा। यह केंद्र न केवल लखनऊ, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक, खेल और सम्मेलन केंद्र के रूप में उभरेगा। सरकार का यह कदम सपा सरकार के कथित भ्रष्टाचार से दागी इस परियोजना को नया जीवन देने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है।

कर्ज में डूब रहे किसान, लेकिन मोदी सरकार बेफिक्र

राहुल गांधी ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला और कहा कि वह किसानों की दुर्दशा के प्रति उदासीन है, जबकि किसान दिन–प्रतिदिन कर्ज में डूबते जा रहे हैं। हिंदी में एक्स पर एक पोस्ट में, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सरकार पर किसानों की कर्ज माफी और फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (डैच) की कानूनी गारंटी की मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि सोचिए.. सिर्फ 3 महीनों में महाराष्ट्र में 767 किसानों ने आत्महत्या कर ली। क्या ये सिर्फ एक आंकड़ा है? नहीं। ये 767 उजड़े हुए घर हैं। 767 परिवार जो कभी नहीं संभल पाएंगे। और सरकार? चुप है। बेरुख़ी से देख रही है। उन्होंने आगे लिखा कि किसान हर दिन कर्ज़ में और गहराई तक डूब रहा है – बीज महंगे हैं, खाद महंगी है, डीज़ल महंगा है.. लेकिन डैच की कोई गारंटी नहीं। जब वो कर्ज़ माफ़ी की मांग करते हैं, तो उन्हें नजरअंदाज़ कर दिया जाता है। लेकिन जिनके पास करोड़ों हैं? उनके लोन मोदी सरकार आराम से माफ कर देती है। आज की ही खबर देख लीजिए – अनिल अंबानी का 48,000 करोड़ का ठ" "फ्रॉड"। सरकार पर वार करते हुए राहुल ने कहा कि मोदी जी ने कहा था, किसान की आमदनी दोगुनी करेंगे – आज हाल ये है कि अन्नदाता की ज़िंदगी ही आधी हो रही है। ये सिस्टम किसानों को मार रहा है – चुपचाप, लेकिन लगातार और मोदी जी अपने ही च्ब् का तमाशा देख रहे हैं। बुधवार को विपक्षी सदस्यों ने राज्य में किसानों की आत्महत्या और सोयाबीन की खेती करने वाले किसानों को बकाया भुगतान न किए जाने के मुद्दे पर महाराष्ट्र विधानसभा से दो बार वॉकआउट किया। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने विधानसभा में दावा किया कि इस साल जनवरी से मार्च के बीच महाराष्ट्र में 767 किसानों ने आत्महत्या की।

नवनिर्वाचित विधायक संजीव अरोड़ा बने पंजाब सरकार में मंत्री, कुलदीप सिंह धालीवाल ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। लुधियाना पश्चिम से नवनिर्वाचित आप विधायक संजीव अरोड़ा को उद्योग विभाग और एनआरआई मामलों का विभाग आवंटित किया गया है। इस बीच, एनआरआई मामलों का प्रभार संभाल रहे कुलदीप सिंह धालीवाल ने इस्तीफा दे दिया है। उद्योग विभाग पहले तरुणप्रीत सिंह सोंद के पास था, जो ग्रामीण विकास, श्रम और पर्यटन विभागों का प्रभार संभालते रहेंगे। धालीवाल के इस्तीफे के साथ भगवंत

मान मंत्रिमंडल में मंत्रियों की कुल संख्या 16 रह गई है। मंत्रिमंडल में दो पद अभी भी खाली हैं। इससे पहले पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने पंजाब राजभवन में अरोड़ा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनके शामिल होने के साथ ही आप के तीन साल के शासन के दौरान पंजाब मंत्रिमंडल का यह सातवां विस्तार है। धालीवाल ने इस्तीफे का बाद कहा कि मैंने अपनी मर्जी से इस्तीफा दिया है। मेरे लिए पंजाब सबसे पहले है, मेरे लिए पद और विभाग महत्वपूर्ण नहीं है। मुझे कहा गया कि किसी और को मौका दिया जाएगा, तो मैंने कहा हां, जरूर मौका मिलना चाहिए, और इसीलिए मैंने इस्तीफा दिया है। कोई दिक्कत नहीं है। मैं पार्टी के साथ हूं। पंजाब के मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा द्वारा संचालित यह समारोह मात्र छह मिनट तक चला। इसकी शुरुआत राष्ट्रगान के गायन से हुई, जिसके बाद राज्यपाल ने नए मंत्री को शपथ दिलाई। समारोह का समापन राष्ट्रगान के गायन के साथ हुआ। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री भगवंत मान, उनकी पत्नी गुरप्रीत कौर मान और कई अन्य मंत्री और गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

21 जुलाई से 21 अगस्त तक चलेगा संसद का मानसून सत्र, 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद का आगामी मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त, 2025 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें 13 और 14 अगस्त को दो दिवसीय अंतराल होगा। वहीं, किरेन रिजिजू ने आज बताया कि संसद के मानसून सत्र को लेकर केंद्र सरकार ने 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है और 21 अगस्त तक चलेगा। किरेन रिजिजू ने बुधवार शाम को एक पोस्ट के माध्यम से संशोधित कार्यक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सत्र को आगे बढ़ाने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। शुरू में, सत्र को 12 अगस्त को समाप्त करने का कार्यक्रम था। रिजिजू ने कहा, भारत के माननीय राष्ट्रपति ने 21 जुलाई से 21 अगस्त, 2025 तक संसद का मानसून सत्र बुलाने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्होंने आगे कहा, स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर 13 और 14 अगस्त को कोई बैठक नहीं होगी। यद्यपि स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को है, लेकिन आवश्यक तैयारियों के लिए दो दिन का अवकाश स्वीकृत किया गया है। यह मानसून सत्र ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहला सत्र होगा और इसके हंगामेदार रहने की संभावना है, क्योंकि विपक्षी दल कथित तौर पर पहलगाम आतंकी हमले पर विशेष चर्चा की मांग सहित कई मुद्दे उठाने की योजना बना रहे हैं। भाजपा के नेतृत्व वाली और व्यापक राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भीतर कई दलों के समर्थन वाली सरकार ने भी राज्यसभा और लोकसभा दोनों में विपक्ष के आख्यानों का मुकाबला करने के लिए रणनीति बनाना शुरू कर दिया है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा सत्र से पहले एनडीए सहयोगियों की बैठक बुला सकती है ताकि अपनी रणनीति तय की जा सके।

बंगाल सरकार के मंत्री के काफिले पर भीड़ का हमला, बाल-बाल बचे सिद्दीकुल्लाह चौधरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री और जमीयत उलेमा–ए–हिंद के अध्यक्ष सिद्दीकुल्लाह चौधरी के काफिले पर गुरुवार को पूर्बा बर्धमान जिले में एक भीड़ ने हमला कर दिया। हालांकि इस हमले में मंत्री सुरक्षित हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बर्धमान जिले की मोंतेश्वर विधानसभा क्षेत्र से विधायक सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने कहा कि उनकी हत्या की कोशिश की गई थी। उन्होंने बताया कि उनके वाहन पर पत्थर फेंके गए और शीशा तोड़ा गया, जिससे उनके हाथ में चोट भी आई। उन्होंने आरोप लगाया, स्थानीय पंचायत प्रधान रफीकुल इस्लाम शेख ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर यह हमला करवाया। स्थानीय थाने के प्रभारी ने हमलावरों को रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की। केवल मेरे साथ मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने मुझे बचाया। मंत्री ने प्रशासन से हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

भारत-घाना ने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया : मोदी

अक्कारा/नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अक्कारा में राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा से बातचीत के बाद कहा कि भारत और घाना ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि भारत घाना के राष्ट्र निर्माण की यात्रा में सिर्फ भागीदार ही नहीं बल्कि सह–यात्री भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद अक्कारा में जुबली हाउस में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि तीन दशकों के अंतराल के बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री घाना का दौरा कर रहा है और यह उनके लिए बेहद गर्व की बात है कि उन्हें घाना आने का यह अवसर दिया गया है। उन्होंने राष्ट्रपति महामा को दिसंबर 2024 के आम चुनावों में जीत के लिए बधाई दी, जो दूसरे कार्यकाल के लिए चुने गए हैं। उन्होंने कहा कि यह जीत घाना के लोगों के उनके नेतृत्व और विजन में गहरे भरोसे को दर्शाती है। श्री मोदी ने कहा, "राष्ट्रपति महामा और मैंने अपनी द्विपक्षीय साझेदारी को श्व्यापक साझेदारीश के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। घाना के राष्ट्र निर्माण की यात्रा में भारत न केवल भागीदार है, बल्कि सह–यात्री भी है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि भव्य जुबली हाउस, विदेश सेवा संस्थान, कोमेंडा शुगर फैक्ट्री, भारत–घाना कोफी अन्नान आईसीटी सेंटर और टेमा–पकाडन रेलवे लाइन द्विपक्षीय साझेदारी के प्रतीक हैं।

द्विपक्षीय व्यापार तीन अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गया है। भारतीय कंपनियों ने लगभग 900 परियोजनाओं में लगभग दो अरब डॉलर का निवेश किया है। श्री मोदी ने कहा, "आज, हमने अगले पांच वर्षों में अपने आपसी व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।" उन्होंने कहा कि फिनटेक के क्षेत्र में भारत घाना के साथ अपने यूपीआई डिजिटल भुगतान अनुभव को साझा करने के लिए तैयार है। इस बात पर जोर देते हुए कि विकास साझेदारी द्विपक्षीय संबंधों का एक आधारभूत स्तंभ है, उन्होंने आर्थिक पुनर्गठन की दिशा में राष्ट्रपति महामा के प्रयासों के लिए भारत के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

चीनी इंजीनियरों की वापसी पर सियासत, खरगे बोले- चीन भारत की रीढ़ तोड़ रहा, सरकार चुप क्यों?

नई दिल्ली। भारत और चीन के रिश्तों को लेकर सियासत एक बार फिर गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार की चीन नीति पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने चीन द्वारा भारत में काम करने वाले इंजीनियरों की वापसी और भारत के लिए जरूरी खनिजों पर चीन की पाबंदी को लेकर सवाल उठाए। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की श्चीनी गारंटीश की कोई एक्सपायरी डेट नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा

कि मोदी सरकार ने श्मेक इन इंडियाश और श्आत्मनिर्भर भारतश जैसे बड़े–बड़े दावे किए, लेकिन हकीकत ये है कि चीन को भारत में निवेश और काम करने का खुला न्योता दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने चीनी इंजीनियरों को आसानी से वीजा दिए ताकि वे यहां की कंपनियों में काम कर सकें और पीएलआई स्कीम का फायदा उठा सकें। खरगे ने दक्षिण भारत में फॉक्सकॉन के आईफोन प्लांट से चीनी इंजीनियरों के बाहर जाने की खबर का हवाला देते हुए कहा कि ये सरकार की असफलता का उदाहरण है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चीन भारत की रीढ़ तोड़ रहा है और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है।

एक्सयूवी- ट्रैक्टर की आमने-सामने भिड़ंत में दोनों वाहनों के चालकों की मौत, सरायइनायत में हुआ हादसा

सरायइनायत (प्रयागराज)। प्रयागराज में बुधवार देर रात दर्दनाक हादसा हो गया। एक्सयूवी कार और ट्रैक्टर की हुई आमने–सामने भिड़ंत में दोनों वाहनों के चालकों की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंच गई। प्रयागराज में बुधवार देर रात दर्दनाक हादसा हो गया। एक्सयूवी कार और ट्रैक्टर की हुई आमने–सामने

भिड़ंत में दोनों वाहनों के चालकों की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंच गई। क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क के किनारे कराकर यातायात सामान्य कराया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सरायइनायत थाना क्षेत्र के हबूसा मोड़ के पास प्रयागराज–वाराणसी हाईवे पर बुधवार की देर रात एक्सयूवी कार और ट्रैक्टर की जोरदार भिड़ंत में कार चालक आशीष सिंह (35) पुत्र मनोज सिंह निवासी अंदावा थाना सरायइनायत और सत्यम सिंह (17) पुत्र पिंटू सिंह निवासी शंकरपुर थाना हंडिया प्रयागराज की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना पाकर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दी परिवारों में कोहराम मच गया।

हाईकोर्ट के आदेश पर रास्ते में बने मकान को कराया ध्वस्त

प्रयागराज। क्षेत्र के जोंधी मझियारी गांव में बुधवार को हाईकोर्ट के आदेश पर रास्ते की भूमि पर बनाए गए तीन मकानों को तहसील प्रशासन ने ध्वस्त करा दिया है। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी रही। कार्रवाई का परिवार वालों ने विरोध करते हुए प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लालापुर थाना क्षेत्र के जोधीं मझियारी गांव के राजेंद्र कुमार भारतीया ने एसडीएम बारा, जिलाधिकारी व मंडलायुक्त को सरकारी रास्ते की भूमि पर कब्जा करने की कई बार शिकायत करते हुए उसे खाली कराने को मांग की थी। लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद वह हाईकोर्ट चले गए। मामले को संज्ञान में लेते हुए हाईकोर्ट ने भूमि खाली कराने का आदेश दिया था। इस पर बुधवार को नायब तहसीलदार बारा विजय कुमार, थानाध्यक्ष लालापुर अजय कुमार मिश्र ने जेसीबी के साथ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। तहसील की टीम ने राम मिलन, राम नाथ व सूरजकली के मकान को ध्वस्त करते हुए रास्ते को खुलवाया।

मकान पर जेसीबी चलते ही चीखने लगे लोग

जोंधी मझियारी गांव में रास्ते की जमीन पर मकान बना कर रहने वाले परिवार उस समय चिल्लाने लगे जब उनके घरों पर जेसीबी मशीन ध्वस्त कर रही थी। बच्चे अपने मां बाप से लिपट कर रो रहे थे।

33 हजार की लाइन में आई गड़बड़ी से हजारों घरों में बत्ती गुल

प्रयागराज। 33 केवी लाइन में आई गड़बड़ी से बुधवार को करेलाबाग समेत अन्य कई मोहल्लों में बत्ती गुल हो गई। करीब लगभग साढ़े चार घंटे तक बिजली गुल होने से 5000 से अधिक

उपभोक्ता परेशान रहे। बुधवार सुबह करीब 11रू30 बजे मैकटाउन, नारायणपुरम, करेलाबाग, एबी ब्लॉक, सोलह मार्केट, जमीर नगर समेत अन्य कई मोहल्लों में बिजली चली गई। दोपहर दो बजे तक आपूर्ति चालू नहीं हुई तो लोग उपकेंद्र पहुंच गए। यहां कर्मचारियों ने बताया कि रीवां रोड से आने वाली लाइन में गड़बड़ी की वजह से कटौती की गई है।आपूर्ति चालू करने का प्रयास किया जा रहा है। शाम करीब चार बजे बिजली आपूर्ति चालू हुई तो लोगों ने राहत की सांस ली।

उर्वरकों की कालाबाजारी की रोकथाम के लिए बना कंट्रोल रूम

प्रयागराज। जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी की रोकथाम के लिए जिला कृषि अधिकारी केके सिंह ने कृषकों की शिकायतों की सुनवाई के लिए एक नंबर जारी करते हुए विकास भवन में

कंट्रोल रूम बनाया है। इस नंबर पर जिलेभर के किसान उर्वरक संबंधित शिकायतें कर सकते हैं। शिकायतों के निस्तारण के लिए अपर जिला कृषि अधिकारी विकास मिश्रा को प्रभारी नियुक्त किया गया है। किसान भाई 7839882319 पर प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक इस नंबर पर फोन कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। केके सिंह ने बताया कि इस नंबर पर शिकायत करने के बाद त्वरित कार्यवाही करते हुए किसान भाइयों की समस्या का निस्तारण किया जाएगा।

सपा की बांदा जिलाध्यक्ष ने किडनी दान का लिया संकल्प

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी की बांदा जिला अध्यक्ष अर्चना सिंह पटेल ने 47वें जन्मदिन पर मरणोपरांत किडनी दान का संकल्प लिया। पूर्व शिक्षिका अर्चना मंगलवार को अंगदान करने कैंट जनरल हॉस्पिटल पहुंचीं। जहां पूरी प्रक्रिया प्रदेश के नोडल सेंटर लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के माध्यम से हुई। उन्होंने इस कदम को पति की अंतिम इच्छा और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन को समर्पित किया।

पीसीएस मुख्य परीक्षा से उत्तर पुस्तिका लेकर जाने वाला छात्र गिरफ्तार

प्रयागराज। उप्र लोकसेवा आयोग की पीसीएस मुख्य परीक्षा के दौरान उत्तर पुस्तिका लेकर जाने वाले परीक्षार्थी को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि सात साल से कम की सजा की धारा होने के चलते उसे नोटिस तामील कराकर छोड़ दिया गया। पूछताछ के दौरान उसने माना कि गलती से यह घटना हुई है।

मामला ईश्वर शरण बालिका इंटर कॉलेज, गोविंदपुर का है। कॉलेज की प्रधानाचार्य प्रतिभा सिंह ने मामले में एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोपी को पुलिस के सुपुर्द कर दिया था। पुलिस ने उससे गहनता से पूछताछ की, ताकि पता लगाया जाए कि आखिर उत्तर पुस्तिका ले जाने के पीछे उसकी मंशा क्या थी।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि अलग–अलग एंगल से पूछताछ करने पर भी उसकी कोई गलत मंशा सामने नहीं आई। वह बार–बार यही कहता रहा कि उसे ध्यान ही नहीं रहा कि उत्तर पुस्तिका जमा करनी

है। जैसे ही परीक्षा खत्म हुई, वह प्रश्नपत्र के साथ उत्तर पुस्तिका लेकर परीक्षा कक्ष से बाहर निकल गया।

इसके बाद वहीं से अपना बैग प्राप्त किया, जिसे उसने परीक्षा से पहले जमा किया था। फिर इसी बैग में प्रश्नपत्र के साथ ही उत्तर पुस्तिका भी रख ली और घर चला गया। इसके बाद उसे इसका ध्यान भी नहीं रहा। बाद में फोन आने पर उसने बैग देखा तो उसमें उत्तर पुस्तिका रखा हुआ है। फिर वह सीधे कॉलेज पहुंचा और उत्तर पुस्तिका जमा कर दी। एसीपी कर्नलगंज राजीव कुमार यादव ने बताया कि पूछताछ में छात्र बार–बार खुद को निर्दोष बताता रहा।

पी०सी०एस मुख्य परीक्षा–2024, 29.06.2025 से 02.07.2025 तक हो रही है। मंगलवार को ईश्वर शरण बालिका इंटर कॉलेज में द्वितीय सत्र की परीक्षा शाम 05रू30 बजे समाप्त हुई। उत्तर पुस्तिकाओं की गिनती करने पर ज्ञात हुआ कि कक्ष संख्या सात में उपस्थित परीक्षार्थी में से एक अभिताष सिंह की उत्तर पुस्तिका उपलब्ध नहीं है। विद्यालय में ड्यूटी कर रहे आयोग के पर्यवेक्षकों के फोन करने पर परीक्षार्थी ने गलती से बिना उत्तर पुस्तिका जमा कराए चले जाने की बात स्वीकारी। परीक्षा समाप्त होने के 40 मिनट बाद शाम 6रू10 मिनट पर परीक्षार्थी कॉलेज पहुंचा और उत्तर पुस्तिका जमा की।

वायुसेना परिसर में घूमते दिखे बुलेट सवार दो संदिग्ध, मुकदमा

प्रयागराज। बमरौली वायुसेना परिसर स्थित मिलिटरी इंजीनियरिंग सर्विस(एमईएस) कार्यालय के पास दो बुलेटसवार संदिग्ध घूमते दिखाई दिए। टोकने पर मुख्य द्वार से भाग निकले। मामले में पूरामुफ्ती थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

रिपोर्ट लेफ्टिनेंट कर्नल कुमार अमितेंद्रम की ओर से दर्ज कराई गई है। उन्होंने तहरीर में बताया है कि 30 जून को शाम 05.25 बजे दो अज्ञात व्यक्तियों ने बमरौली एयरफोर्स स्टेशन स्थित एमईएस कार्यालय परिसर में भूरे रंग की बुलेट पर सवार होकर अनधिकृत रूप से प्रवेश किया। वह मुख्य द्वार से भीतर आए और एसएनसीओ मेस की ओर बढ़े।

इसी दौरान कर्नल रामसुब्रमानियन, अतिरिक्त मुख्य अभियंता के रोकने व पूछताछ किए जाने पर बताया कि वह यहा सिर्फ यूं ही घूमने आए हैं। इसके बाद वह मुड़े और फिर तेजी से मुख्य द्वार से बाहर निकलकर बमरौली स्टेशन की तरफ भाग गए। मुख्य द्वार पर गार्ड मौजूद थे लेकिन, यह समय कार्यालय बंद होने का था। इस कारण कई कर्मचारी एक ही समय में गेट से बाहर जा रहे थे।

ऐसी स्थिति में गार्ड की ओर से इन व्यक्तियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा सकी। इन अज्ञात व्यक्तियों के हाव–भाव कुछ संदेहास्पद प्रतीत हो रहे थे, परंतु इस वक्त इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती है। ऐसे में शिकायत दर्ज कर जांच पड़ताल कर दोषियों पर कार्रवाई करें। पूरामुफ्ती थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों युवक परिसर से कुछ दूर रहते हैं। उनकी तलाश की जा रही है।

एयरफोर्स परिसर में हुई थी सीडब्ल्यूई की हत्या

29 मार्च की भोर में एयरफोर्स परिसर स्थित सरकारी आवास में ही कमांडर वर्क इंजीनियर सत्येंद्र नारायण मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद एयरफोर्स परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हुए थे। फिलहाल इस मामले में मुख्य आरोपी समेत चार के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है।

ट्रैक्टर से गिरकर मजदूर की मौत, पत्नी को बताए बिना दफनाया शव

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के सरायलाहुरपुर गांव में बुधवार की सुबह ट्रैक्टर से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई। परिजनों ने बगैर पुलिस और उसकी पत्नी को सूचना दिए शव को लीलापुर गंगा घाट ले जाकर दफना दिया।

पति की मौत की जानकारी पत्नी को मिली तो वह पुलिस को लेकर उस जगह पहुंच गई जहां शव को दफनाया गया था। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में शव को खोदकर बाहर निकाला गया। घाट पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थरवई थाना क्षेत्र के कनेहटी, तारडीह गांव निवासी सोनू (21) पुत्र जहरी मजदूरी करता था। सोमवार को वह सरयलाहुरपुर बहन के यहां

अपने भांजे की शादी में आया था। बुधवार को सुबह सोनू अपने घर जाने के लिए किसी भट्ठे के ट्रैक्टर से हनुमानगंज बाजार आ रहा था। सोनू ट्राली के बीच में खड़ा था। कुछ दूर चलने पर ट्रैक्टर चालक ने अचानक ब्रेक मारा जिससे सोनू ट्रॉली के नीचे आकर कुचल गया। गंभीर गंभीर हालत में उसे इलाज के लिए पास के अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

जानकारी होने पर सोनू के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए और उसके शव को घर लेकर चले गए। परिजनों ने पुलिस और उसकी पत्नी को सूचना दिए बिना ही लीलापुर गंगा घाट पर शव को दफना दिया। शाम को भदोही के मानीपट्टी मायके गई पत्नी गुड़िया को जानकारी हुई तो वह रोते हुए ससुराल पहुंची। इस दौरान मायके वालों और पुलिस के साथ लीलापुर घाट पर पहुंचकर शव को खोदकर बाहर निकलवाया। एसओ संजय गुप्ता ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक चार भाइयों में सबसे छोटा था। एक पुत्र कार्तिक (2) है। इस दौरान पत्नी का रो–रोकर बुरा हाल था।

नौ सीटर खटारा टेंपो में ढोए रहे थे 18 विद्यार्थी, जब्त

प्रयागराज। अनफिट और मानकों के विपरीत चल रहे स्कूल वाहनों के खिलाफ विशेष जांच अभियान के दूसरे दिन चाका में एक ऐसे खटारा टेंपो को पकड़ा गया, जिसके नौ सीटों पर 18 बच्चे बिठाए गए थे। टेंपो एवन पब्लिक स्कूल से संबद्ध था। आरटीओ प्रवर्तन की टीम ने टेंपो को सीज कर दिया। इसी प्रकार विभिन्न विद्यालयों से संबद्ध अनफिट पांच बसों को सीज किया गया। स्कूल प्रबंधनों को आरटीओ विभाग ने नोटिस जारी करते हुए तत्काल फिटनेस कराने का निर्देश दिया। आरटीओ प्रवर्तन की दो टीमें गंगापार व यमुनापार और चार टीमें शहर के सिविल लाइंस, मेडिकल, धोबीघाट और जार्जटाउन में तैनात हुई। अभियान में 26 स्कूली वाहनों का चालान किया गया। यह सभी नियमों के विपरीत चल रहे थे। स्कूल खुलते ही निजी वैन से बच्चों को स्कूल लाने और ले जाने का काम शुरू हो गया है। इन वाहनों में बच्चों को लगेज की तरह ठूंसा जाता है। मात्र नौ सीटों की वैन में 13 से 14 बच्चे बिठाए जाते हैं। इतना हीं नहीं, कुछ वैन में पीछे की डिग्गी में पटरा लगाकर बच्चों को बैठाया जाता है।

स्कूली वाहन में सीटों के आधार पर बच्चों को बिठाने का प्रावधान है। ऐसे में अगर नियमों के विपरीत बच्चों को बैठाकर कोई स्कूल वाहन संचालित पाया जाता है, तो उसके खिलाफ ठोस कार्रवाई होगी। – संजीव गुप्ता, आरटीओ प्रवर्तन

विवाद में धारदार हथियार और रॉड से हमला, आधा दर्जन जख्मी

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के कटका गांव में बुधवार की सुबह पारिवारिक विवाद में धारदार हथियार और लोहे की रॉड से हमला कर मां और उसके दो बेटों समेत आधा दर्जन को घायल कर दिया गया। जख्मी लोग जब झूंसी थाने पहुंचे तो पुलिसवालों के भी होश उड़ गए। आननफाननसभी को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद पुलिस भी घटना स्थल जांच करने पहुंची। लेकिन देर शाम तक रिपोर्ट नहीं दर्ज की गई। झूंसी थाना क्षेत्र के कटका गांव निवासी महेश प्रसाद के बड़े बेटे अंकित ने प्रेम विवाह किया है। महेश के मुताबिक वह आए दिन अपने ससुरालवालों के साथ मिलकर उपद्रव करता है। एक घटना में वह जेल भी जा चुका है। आरोप है कि बुधवार की सुबह भी अंकित अपनी मां गीता देवी और भाई अभिषेक व अंकुश से विवाद करने लगा। इसके बाद मारपीट होने लगी। आरोप है कि अंकित ने अपनी मां और भाइयों पर धारदार हथियार व लोहे की रॉड से हमला किया था। हमले में अंकुश का सिर फट गया था। अभिषेक को भी गंभीर चोट आई थी। मां को भी चोट लगी। वहीं, मारपीट में अंकित के पक्ष से भी कुछ लोगों को चोटें आई थीं। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

सड़कों के बीच पौधरोपण में लापरवाही पर एजेंसी ब्लैक लिस्ट

प्रयागराज। महाकुम्भ के दौरान सड़कों के किनारे और बीच में पौधरोपण व देखभाल में लापरवाही पर नगर निगम ने एजेंसी को ब्लैक लिस्ट कर दिया है। दिल्ली की एजेंसी ने लक्ष्य के अनुरूप पौधरोपण नहीं किया। जो पौधे रोपे, उनकी भी देखभाल में लापरवाही हो रही थी। अंतिम कार्रवाई के पहले नगर निगम ने एजेंसी को सभी पौधे लगाने और इनकी देखभाल को लेकर कई बार पत्र लिखा। इसके बावजूद काम में सुधार नहीं होने पर नगर निगम प्रशासन ने कंपनी को पांच साल के लिए ब्लैक लिस्ट करने का निर्णय लिया। एजेंसी की 30.50 लाख जमानत राशि भी जब्त कर ली है। एजेंसी का बकाया भुगतान भी रोक दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद अब एजेंसी नगर निगम की किसी निविदा में भाग नहीं ले पाएगी। अब पौधरोपण और देखभाल का काम नई एजेंसी को सौंपने की तैयारी हो रही है। अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव ने बताया कि एजेंसी को महाकुम्भ में पौधरोपण और पौधों की देखभाल का काम सौंपा गया था।

डा. रविनाथ तिवारी को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

प्रयागराज। झूंसी निवासी डॉ. रविनाथ तिवारी को अमेरिका के मेम्फिस शहर में स्थित रेनेसांट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित प्रतिष्ठित द अमेरिकन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन टर्बो एक्सपो–2025 में करियर इंजीनियर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। सम्मान ग्रहण करने के बाद वे दो जुलाई की देर रात अपने शहर पहुंचे। प्रयागराज पहुंचने पर उन्हें त्रिभुवन पांडेय,

हरिशचंद दुबे, राकेश कुमार वर्मा, देवेंद्र तिवारी, दिनेश तिवारी आदि शुभचिंतकों ने अवार्ड मिलने पर बधाई दी और उन्हें भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि हमारा प्रयास है कि भविष्य में अपने देश में भी ऐसा आयोजन कराया जाए।

सुरक्षा उपकरणों पर मरीज सुखा रहे कपड़ा

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में देखरेख के अभाव में अग्निशमन के उपकरण खराब हो रहे हैं। ट्रामा सेंटर व मेडिसिन सर्जरी विभाग के पास आग से बचाने के उपकरणों

पर मरीज व तीमारदार अपना कपड़ा टांगकर सुखाते हैं। कुछ लोग बैग व झोला भी टांगते हैं। दवाब पड़ने से उपकरणों की पाइप खराब हो रही है। साथ ही नोजल में जंग लगने से जरूरत पर उपकरणों को ऑपरेट करने में दिक्कत होगी। जरूरत पर उपकरण का उपयोग नहीं हो पाएगा। अस्पताल में 85 सुरक्षा गार्ड तैनात हैं, लेकिन सुरक्षा उपकरणों की देखरेख करना उनकी प्राथमिकता में नहीं रहता।

जंक्शन से शुरू हुई बापूधाम, पहले दिन 30 मिनट देरी से रवाना

प्रयागराज। गोरखपुर के रास्ते मुजफ्फरपुर के लिए बापूधाम एक्सप्रेस का संचालन बुधवार से प्रयागराज जंक्शन से शुरू हो गया। ट्रेन सुबह 4रू45 बजे प्लेटफॉर्म–आठ से रवाना होनी थी, लेकिन पहले दिन 30 मिनट की देरी से 5रू15 बजे गई। सप्ताह में दो दिन चलने वाली यह ट्रेन पहले रामबाग से जाती थी। ट्रेन का संचालन सोमवार और बुधवार को प्रयागराज जंक्शन से होगा। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया, बापूधाम एक्सप्रेस में सात जुलाई से स्लीपर के पांच, एसी थ्री, सामान्य श्रेणी के चार–चार, एसी इकोनॉमी क्लास के दो, एसी टू कम फर्स्ट और एसएलआर व एसएलआर डी श्रेणी के एक–एक कोच होंगे।

दारागंज कछार तक पहुंचा गंगा का पानी, लोग जान जोखिम डालकर ले रहे सेल्फी

प्रयागराज। गंगा–यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। यही वजह है कि गंगा का पानी दारागंज के कछार तक पहुंच गया है। वहीं लोग अपनी जान जोखिम में डालकर दशाश्वमेध घाट

पर सेल्फी ले रहे हैं। ऐसे में किसी भी समय बड़ी घटना हो सकती है। लगातार हो रही बारिश से गंगा–यमुना का जलस्तर बढ़ रहा है। हालांकि पिछले दो दिन से नदियों की रफ्तार धीमी है। जहां मंगलवार को फाफामऊ और नैनी की तरफ गंगा और यमुना में एक–एक सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हुई हुई थी। बुधवार को सुबह आठ बजे तक फाफामऊ की तरफ गंगा का जलस्तर पांच सेंटीमीटर, जबकि नैनी की तरफ यमुना का जलस्तर 12 सेंटीमीटर कम हुई है। छतनाग की ओर चार सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। इधर, दारागंज के कछार तक नदियों का पानी पहुंच चुका है। बुधवार को दारागंज में लोगों की बड़ी लापरवाही देखने को मिली। दशाश्वमेध घाट पर बाढ़ के बीच लोग सेल्फी रहे थे।

झोलाछाप के इलाज से युवक की मौत, चेयरमैन बोलीं- कार्रवाई हो

प्रयागराज। भारतगंज कस्बे में चार दिन पहले झोलाछाप के इलाज की वजह से एक युवक की मौत हो गई थी। इस पर भारतगंज नगर पंचायत की चेयरमैन फरा बेगम ने सीएचसी अधीक्षक डॉ. अजीत सिंह को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। उनका आरोप है कि कटरा उत्तरी वार्ड दो में बिना लाइसेंस क्लीनिक का संचालन किया जा रहा है। झोलाछाप मरीजों को भर्ती कर लापरवाही पूर्वक इलाज करता है। 29 जून को गारोपुर मोहल्ला निवासी असफाक अहमद (30) की अचानक तबीयत बिगड़ गई। झोलाछाप ने उसे अपनी क्लीनिक में भर्ती कर लिया। 24 घंटे इलाज के बाद युवक की तबीयत ज्यादा बिगड़ गई तो जवाब दे दिया। इलाज के लिए शहर ले जाते समय रास्ते में युवक की मौत हो गई। इसके बाद से कस्बे वासियों में काफी आक्रोश व्याप्त है। चेयरमैन ने कहा कि अवैध रूप से संचालित क्लीनिक के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

पुरकाजी बाईपास पुराने गुप्ता चाट भंडार पर क्षेत्रीय संयोजक विनोद गुप्ता द्वारा किया गया पौधारोपण

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश संयोजक व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा विनीत अग्रवाल शारदा के दिशा अनुसार पुरकाजी पहुंचे क्षेत्रीय संयोजक विनोद गुप्ता जी द्वारा किया गया पौधारोपण इस शुभ अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी बृज किशोर गुप्ता ने

सभी अतिथियों का जोरदार स्वागत किया और स्थित पुराने गुप्ता कर भंडार पर पौधारोपण किया गया इस शुभ अवसर पर भाजपा नेता मनु प्रिया मजदूर, जिला सहसंयोजक ब्रजकिशोर गुप्ता, रजनीश कुमार, ऋषभ गुप्ता, मोनू वर्मा, मां काली के भगत अंकित गुप्ता, अंकुर गुप्ता सोनू गुर्जर ,,अकाश कुमार, विशाल कुमार, सचिन , आदि मौजूद रहे।

सर्वसम्मति से अमित जैन बने आईआईए मुजफ्फरनगर चैप्टर के चेयरमैन

मुजफ्फरनगर। कल रात्रि आईआईए के पूर्व चेयरमैन और आईआईए ट्रस्टीज की एक महत्वपूर्ण बैठक होटल स्वर्ण इन में आयोजित की गई। इस बैठक में सर्वप्रथम हमारे चौप्टर से केंद्र में नेशनल सचिव का प्रतिनिधित्व मिलने पर श्री कुश पुरी का पुष्प गुच्छ देकर भव्य स्वागत किया गया। बैठक में ट्रस्ट से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई और आईआईए को और अधिक प्रभावशाली और शक्तिशाली बनाने के लिए गहन मंथन हुआ। सभी उपस्थित सदस्यों ने अपने विचार साझा किए और संगठन को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। नए चैप्टर चेयरमैन के लिए गहन मंथन के उपरांत सर्वसम्मति से अमित जैन के नाम पर सबकी सहमति बनी और चेयरमैन चयन का प्रस्ताव राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दिनेश गोयल को रात्रि में ही भेज दिया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दिनेश गोयल ने अमित जैन को मुजफ्फरनगर चौप्टर का चेयरमैन का नामांकन पत्र जारी करते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं है। इस महत्वपूर्ण बैठक में नेशनल सचिव कुश पुरी, कार्यवाहक चेयरमैन पवन कुमार गोयल, कार्यवाहक सचिव अमित जैन, पूर्व चेयरमैन सर्वश्री सुधीर चंद्र गोयल, शरद जैन, पंकज अग्रवाल, नीरज केडिया, अश्वनी खंडेलवाल और मनोज अरोड़ा उपस्थित रहे। बैठक में लिए गए निर्णयों को जल्द ही लागू किया जाएगा और आईआईए की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

यूपी में स्कूलों के विलय के पीछे गहरी साजिश हैः अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों को विलय करने के हालिया कदमों के पीछे गहरी साजिश है। 'एक्स पर एक पोस्ट में अखिलेश यादव ने कहा, "शिक्षा ही विकास की सबसे बड़ी कसौटी होती है। भाजपा सरकार में शिक्षा और शिक्षकों की जो उपेक्षा हो रही है उसके पीछे एक गहरी साजिश की ये आशंका बलवती हो रही है कि भाजपा आनेवाली पीढ़ी से शिक्षा का अधिकार छीनना चाहती है, जो शिक्षित होता है वह सकारात्मक भी होता है और सहनशील भी, ऐसे लोग भाजपा की नकारात्मक राजनीति को कभी भी स्वीकार नहीं करते हैं। सपा प्रमुख ने कहा, "शिक्षा से ही उनमें चेतना आती है और वो उत्पीड़न व शोषण के खिलाफ एकजुट हो जाते हैं। शिक्षा से जो आत्मविश्वास आता है वह भाजपा जैसे

वर्चस्ववादी दल के विरोध का कारण बनता है, इसीलिए न होंगे स्कूल, न होगा भाजपा का विरोध। यादव ने आरोप लगाया, "आज गांवों में स्कूल बंद होंगे कल को भाजपा के संगी–साथी सेवा के नाम पर अपने स्कूल वहां खोलने के लिए पहुंच जाएंगे। जिससे वो अपनी दरारवादी सोच के बीज बो सकें। सपा नेता ने कहा कि भाजपा अपनी प्रभुत्ववादी सोच को बनाए रखने के लिए अशिक्षित व अवैज्ञानिक लोगों की ताली बजाती, थाली पीटती अनपढ़ों की भीड़ चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा, "नकारात्मक सोच के लिए प्रभुत्ववादी, घोर स्वार्थी व अनपढ़ों का समर्थन चाहिए होता है। सच में शिक्षित व परमार्थ से प्रेरित एक चैतन्य व जागरूक व्यक्ति कभी भी भाजपा जैसी सोच का समर्थक नहीं हो सकता है। जितनी शिक्षा प्रसारित होगी उतनी ही भाजपाई राजनीति की जड़ कमजोर होगी। उन्होंने कहा, "सब जानते हैं कि जो चीज निगाह से दूर हो जाती है वो दिमाग से भी दूर हो जाती है। जब आसपास स्कूल ही नहीं दिखेंगे तो शिक्षा की साक्षात प्रेरणा ही समाप्त हो जाएगी। हमारा तर्क ये है कि जब एक मतदाता के लिए बूथ बनाया जा सकता है तो 30 बच्चों के लिए स्कूल चलाया क्यों नहीं जा सकता है? ये पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के वंचित समाज को और भी वंचित करने का एक बड़ा षड्यंत्र है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सभी दस्तावेजों में अव्यान सोनकर नाम अंकित है जो सही है जबकि आधार कार्ड सं.-682471853601 में काव्यांश कुमार अंकित है जो कि गलत है। उक्त आधार कार्ड में मेरे पुत्र का नाम काव्यांश कुमार के स्थान पर अव्यान सोनकर कर नियामानुसार शुद्ध किया जाना न्याय हित में है।

आशीष कुमार
पुत्र श्री अनिल कुमार
पता- 166ए हिम्मतगंज, प्रयागराज

डीएम उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में डिजिटल लाईब्रेरी के सम्बन्ध में बैठक

मुजफ्फरनगर। जनपद मुजफ्फरनगर में आज डीएम उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में डिजिटल लाईब्रेरी के सम्बन्ध में विकास भवन सभागार में बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कंडारकर कमलकिशोर देशमुख, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला सूचना अधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त सहायक विकास अधिकारी (पं०) उपस्थित रहे। बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया है कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के प्रत्येक जनपद में डिजिटल पुस्तकालय (बाल एवं किशोर पुस्तकालय) स्थापित किये जाने की योजना चलायी जा रही है। ग्राम के युवा एवं किशोर लोगो के लिये डिजिटल लाईब्रेरी की स्थापना की जानी है, इसके लिये उन ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है जिन ग्राम पंचायत के पंचायत भवनो में 2 या 2 से अधिक कमरे स्थापित है। प्रथम चरण मे 80 ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है जिनमें डिजिटल लाईब्रेरी की स्थापन की जायेगी। प्रत्यके डिजिटल लाईब्रेरी हेतु 4 लाख रूपये की धनराशि आवंटित की जायेगी, जिसमे डिजिटल लाईब्रेरी में एक स्मार्ट एल०ई०डी० टीवी कैमरे के साथ, डेस्कटाप कम्प्यूटर, यू०पी०एस० इत्यादि एवं पुस्तके एन०बी०टी० के माध्यम से कय की जायेगी। इसके अलावा इन ग्राम पंचायतों में डिजिटल पाठ्यकम भी उपलब्ध कराये जायेगे। जिलाधिकारी के निर्देशन में डिजिटल लाईब्रेरी फर्नीचर कय हेतु समितियॉं बनायी गयी है। बैठक में सभी को निर्देशित किया गया कि चयनित ग्राम पंचायतों में उत्कृष्ट लाईब्रेरी स्थापित हो, जिसके माध्यम से ज्यादा से ज्यादा बाल एवं किशोरो को लाभ मिल सके। इस समिति में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, राजकीय कॉलेज के प्रधानाचार्य को भी समितियों में शामिल किया गया है।

स्कूलों के मर्जर का विरोध,स्वामी प्रसाद मौर्या ने कूच किया विधानसभा भवन, पुलिस ने जाने से रोका

लखनऊ, संवाददाता। सरकारी स्कूलों के मर्जर का विरोध पूरे प्रदेश में चल रहा है। इसी क्रम में लखनऊ में स्वामी प्रसाद मौर्य ने समर्थकों के साथ विधानसभा भवन की ओर कूच किया। उन्हें पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर रोक लिया तो वे सड़क पर बैठ गए। मौर्या की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज स्थित दारुलशफा से विरोध प्रदर्शन शुरू किया। विधानसभा की ओर बढ़ रहे कार्यकर्ताओं और स्वामी प्रसाद मौर्य को बैरिकेडिंग लगाकर पुलिस ने रोक दिया। इसके बाद कार्यकर्ता और पदाधिकारियों नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया। स्वामी प्रसाद ने कहा कि यह बेहद अफसोसजनक है कि सरकार पाठशाल बंद करके मधुशाला खोल रही है। हमारी मांग है कि एक राष्ट्र एक शिक्षा लागू किया जाए। दिन–प्रतिदिन आबादी बढ़ रही

है जिसको देखते हुए स्कूलों की संख्या बढ़ानी चाहिए मगर यहां उल्टा हो रहा है। भाजपा सरकार यह नहीं चाहती है कि गरीबों और कमजोरों के बच्चे शिक्षा हासिल करें। स्कूल मर्जर के नाम पर पिछड़ों के बच्चों को शिक्षा से दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। न रहेगा बांस न बजेगी बांसुरी। शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए भर्ती ना करनी पड़े पिछली जाति के लोगों को नौकरी ना देनी पड़े इसलिए यह कदम उठाए जा रहा है। रायबरेली जिले से प्रदर्शन में शामिल होने आए दीपक ने कहा कि रायबरेली जिले में 18 ब्लॉक है। हर ब्लॉक में 20 से अधिक स्कूल हैं। लगभग 1200 स्कूल बंद किए जा रहे हैं। हमारे ब्लॉक में 38 स्कूल हैं जिन्हें मर्जर के नाम पर बंद किया जा रहा है। हर ग्राम पंचायत में एक विद्यालय है। अगर ये स्कूल बंद हो जाएंगे तो दूसरे बच्चों को दो से चार किलोमीटर पैदल जाना पड़ेगा। विद्यालय में भोजन से ज्यादा बेहतर शिक्षा की आवश्यकता है। हमारा छोटा भाई शिक्षा हासिल कर रहा था। हमारे गांव में अब स्कूल बंद हो रहा है। घर से स्कूल 2 किलोमीटर दूर हो गया है। अब वह कैसे जाएगा। हमारे पास कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। 3 वर्ष के बच्चे को अकेले कैसे पैदल भेजें और हम लोग अपने काम में व्यस्त रहते हैं। यह समस्या हमारी तरह हजारों मां–बाप के सामने आ गई है। धार्मिक स्थलों पर सरकार आंखें बंद करके पैसा खर्च करती है। टीचर को पेमेंट सरकार नहीं दे पा रही। हमारे ग्रामीण इलाके में 5 ठेके अतिरिक्त खोले गए हैं और 4 स्कूल बंद कर दिए। हमें अनपढ़ और गंवार बनाने की साजिश रची जा रही है।

यूपी मंत्रिमंडल ने रोजगार मिशन के गठन को दी मंजूरी, राज्य के युवाओं को मिलेगा रोजगार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने राज्य के युवाओं को भारत या विदेश में रोजगार दिलाने में मदद के लिए 'उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के गठन के प्रस्ताव को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद राज्य के श्रम एवं रोजगार मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि यह राज्य सरकार को तीसरे पक्ष की भर्ती एजेंसियों पर निर्भर किए बिना सीधे रोजगार की सुविधा प्रदान करने में सक्षम बनाएगा। इस मिशन के गठन के साथ हमने एक स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया है। हमारा लक्ष्य एक साल में 25,000 से 30,000 बेरोजगार युवाओं को विदेश भेजना और भारत के निजी क्षेत्र में लगभग एक लाख युवाओं को रोजगार प्रदान करना है। राजभर ने कहा कि राज्य सरकार को श्रमिकों को विदेश भेजने के लिए आरए (भर्ती एजेंट) वाले बाहरी संस्थानों पर निर्भर रहना पड़ता था। उन्होंने कहा, "अब मिशन के लागू होने के बाद राज्य को अपना स्वयं का आरए (भर्ती एजेंट) प्राप्त होगा, जिससे हम नर्सिंग, पैरामेडिकल, कुशल श्रम, ड्राइविंग, घरेलू काम और अन्य उच्च मांग वाले क्षेत्रों में श्रमबल की विदेशों में सीधे नियुक्तियों की व्यवस्था कर सकेंगे। राजभर ने कहा कि भारतीय श्रमबल की बढ़ती वैश्विक मांग के मद्देनजर रोजगार मिशन की स्थापना करना अनिवार्य हो गया है। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में कैबिनेट ने फैक्टरी के काम में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए श्रम नियमों में संशोधन को भी मंजूरी दी। हाल में, महिलाओं को खतरनाक उद्योगों की 29 श्रेणियों में काम करने से रोक दिया गया था। सरकार ने पिछले साल दिसंबर में ऐसे चार उद्योगों पर

प्रतिबंध हटा दिए थे और नवीनतम कदम महिलाओं के लिए अवसरों का और विस्तार करता है। राजभर ने कहा, "वर्तमान में राज्य में केवल पांच प्रतिशत फैक्टरी में ही महिलाएं कार्यरत हैं और नोएडा को छोड़कर यह आंकड़ा लगभग एक प्रतिशत ही है। प्रौद्योगिकी में प्रगति और महिला सशक्तिकरण के हमारे लक्ष्य के अनुरूप इन पुराने मानदंडों को संशोधित करना आवश्यक था। मंत्री ने कहा कि उद्योग और श्रम संगठन भी इन सुधारों की मांग कर रहे थे और ये बदलाव राज्य के एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के व्यापक लक्ष्य का समर्थन करेंगे। राजभर ने कहा, "आज हमने मंत्रिमंडल के समक्ष अपने श्रम नियमों में संशोधन करने का यह महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश किया और इसे मंजूरी मिल गई है। उन्होंने आज के फैसलों को उत्तर प्रदेश में आर्थिक परिवर्तन और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में एक "बड़ा कदम बताया।

मधुशाला नहीं चाहिए, पाठशाला चाहिए : संजय सिंह

लखनऊ, संवाददाता। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार और केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 27 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों को बंद करने की साजिश चल रही है। इससे पहले भी हजारों स्कूल या तो बंद किए गए या मर्ज कर दिए गए। संजय सिंह ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा बच्चों को मधुशाला नहीं, पाठशाला चाहिए। योगी सरकार ने शिक्षा को व्यापार बना दिया है। शिक्षकों का भविष्य खतरे में है और मासूम बच्चों को अंधकार में धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा कि राइट टू एजुकेशन (आरटीई) के तहत 1 किलो मीटर के भीतर बच्चों के लिए स्कूल होना अनिवार्य है, लेकिन यूपी सरकार खुलेआम इस नियम की धज्जियां उड़ा रही है। संजय सिंह ने कहा कई स्कूल ऐसे हैं जो रेलवे क्रॉसिंग के पार हैं, अगर किसी दिन कोई हादसा होता है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा?उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों के अंदर स्कूल जाने का जो उत्साह होता है, उसे यूपी सरकार खत्म कर रही है। संजय सिंह ने बताया कि सोमवार को यूपी के 72 जिलों में आम आदमी पार्टी ने स्कूल बचाओ अभियान के तहत प्रदर्शन किया। अब वे 9 जुलाई से खुद जिलों का दौरा शुरू करेंगे और हर जिले में स्कूल बचाने की मुहिम को जनांदोलन बनाएंगे। हमारी पार्टी का एजेंडा स्कूल और अस्पताल है। हमने दिल्ली में करके दिखाया, पंजाब में कर रहे हैं और अब यूपी में भी करेंगे। संजय सिंह ने एक और गंभीर सवाल उठाया– 'कांवड़ यात्रा के रास्तों पर गैरवर्दीधारी पुलिस वाले तैनात हैं, जो अपने आप को 'योगी आदित्यनाथ' समझते हैं। इनकी नियुक्ति किसने की, ये किसके अधीन काम कर रहे हैं?"उन्होंने पूछा क्या इनके पास कोई अधिकृत आदेश है?"80: हिंदू को हिंदू नहीं मानती योगी सरकार"संजय सिंह ने योगी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा किभसरकार 80 प्रतिशत हिंदुओं को ही हिंदू नहीं मानती। सिर्फ धार्मिक चश्मे से समाज को देखा जा रहा है। राजधानी लखनऊ में एक व्यापारी द्वारा परिवार सहित आत्महत्या की घटना का जिक्र करते हुए संजय सिंह ने पूछा क्यों सरकार मूलभूत समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही? क्या स्कूल और व्यापारियों की सुरक्षा किसी एजेंडे में नहीं है?

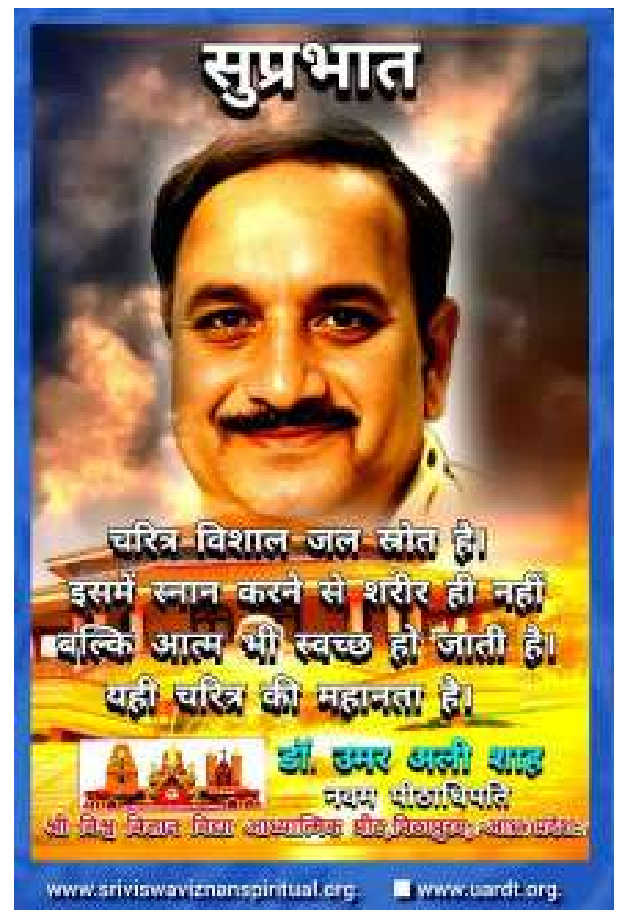

दुधिया मालदा आम

(कुण्डलिया)

जिसे देखने के लिए, आतुर रहते नैन।
ले आए उस आम को, नवाब फ़िदा हुसैन।
नवाब फ़िदा हुसैन,ज़मी दीघा की चुनकर।
रोपित करके पौध, दूध से सींचा जमकर।
खाकर आम प्रदीप,बताते स्वादिस्ट उसे।
दुनिया कहे सुगन्धित 'दुधिया मालदा' जिसे।।

पटना का दीघा कहे,अद्भुत आम– कलाम।
मीठा 'दुधिया मालदा',सबसे प्यारा आम।
सबसे प्यारा आम, दूध–सी रंगत जिसकी।
गूदा है रसदार,जबाँ पर सबके रहती।
पौधा एक प्रदीप, लगाओ अपने अँगना।
रखकर यही विचार, आज ही जाओ पटना।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

वेतन पुनरीक्षण समेत कई मांगों को लेकर बीमा कर्मचारियों का प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के अलीगंज स्थित यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के क्षेत्रीय कार्यालय में संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में कर्मचारियों ने धरना–प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर नारेबाजी की। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में अगस्त 2022 से लंबित वेतन पुनरीक्षण को एलआईसी के समान करना शामिल है। साथ ही उन्होंने 100 प्रतिशत एफडीआई का विरोध किया। फैमिली पेंशन को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत करने की मांग रखी। एनपीएस में योगदान 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत करने की मांग भी की गई। चारों सरकारी बीमा कंपनियों के विलय और सभी संवर्गों में पर्याप्त भर्ती की मांग भी उठाई गई। धरने में जी.एस सिंह, अनिल वर्मा, अब्दुल नईम समेत कई कर्मचारी नेता मौजूद रहे। प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधि मंडल ने क्षेत्रीय कार्यालय के उपमहाप्रबंधक श्याम सुंदर सिंधु को मांगपत्र सौंपा। संयुक्त मोर्चा के संयोजक जी.एस सिंह ने 9 जुलाई 2025 को जीआईइएआईए व एआईआईईए के आह्वान पर देशव्यापी हड़ताल की घोषणा की। इस हड़ताल में संयुक्त मोर्चा पूर्ण भागीदारी करेगा। अन्य संगठन भी नैतिक समर्थन देंगे और प्रदर्शन में शामिल होंगे।

यूपी को मिलेगा नया लिंक एक्सप्रेसवे, मंत्रिमंडल की बैठक में मिली मंजूरी, पूर्वाचल से दिल्ली तक मिलेगी सीधी कनेक्टिविटी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार ने आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे तक प्रवेश नियंत्रित ग्रीन फील्ड लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण को अनुमोदन प्रदान किया है। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक में यह मंजूरी प्रदान की गयी है। लगभग 49.96 किमी लंबा यह एक्सप्रेसवे छह लेन का होगा, जिसे भविष्य में आठ लेन तक विस्तारित किया जा सकेगा। इसका निर्माण ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन) मॉडल पर किया जाएगा। परियोजना पर अनुमानित 4775.84 करोड़ रुपये का व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। इस लिंक एक्सप्रेसवे के माध्यम से लखनऊ, आगरा, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी और गाजीपुर जैसे प्रमुख शहरों के बीच आवागमन और अधिक सुगम, त्वरित और बाधारहित हो सकेगा। उन्होंने बताया कि खासकर राजधानी लखनऊ के भीतर होने वाले भारी यातायात दबाव को कम करने और यात्रा समय को घटाने में यह परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। औद्योगिक विकास मंत्री ने बताया कि प्रदेश में अब तक विकसित आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे आपस में मिलकर एक एक्सप्रेसवे ग्रिड तैयार कर रहे हैं। यह ग्रिड प्रदेश के किसी भी कोने तक यात्रा को तेज, सुरक्षित और निर्बाध बनाएगा।

सम्पादकीय.......

डिजिटल चुनौती

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में प्रौद्योगिकी ने आम भारतीय के जीवन को सहज–सरल बनाने में निर्णायक भूमिका निभायी है। आज तमाम तरह की सुविधाओं को हासिल करने के लिये उसे दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। अनेक सेवाएं एक क्लिक के साथ उसकी मुट्ठी में होती हैं। दरअसल, डिजिटल इंडिया की महत्वाकांक्षी पहल नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान वर्ष 2015 में शुरू की गई थी। जिसका मकसद रोजाना व्यवहार में सामने आने वाली जटिलताओं को दूर करके जीवन को आसान बनाना था। निस्संदेह, पिछले एक दशक में इस महत्वाकांक्षी परियोजना ने कई प्रकार से नागरिकों को सशक्त बनाने में निर्णायक भूमिका निभायी है। विशेष रूप से डिजिटल भुगतान आज पूरे देश में अपरिहार्य हो गए हैं। इससे जुड़े आंकड़े पूरी दुनिया को चौंका रहे हैं। इस वर्ष अप्रैल में लगभग 25 लाख करोड़ रुपये के यूपीआई लेन–देन किए गए हैं। इन यूपीआई लेनदेन की संख्या करीब 1,860 थी। वर्ष 2023 में भारत ने वैश्विक रीयल–टाइम लेनदेन का 49 फीसदी हासिल किया। जिसमें 46 करोड़ लोग और 6.5 करोड़ व्यापारी यूपीआई का उपयोग कर रहे थे। निस्संदेह, शासन के विभिन्न क्षेत्रों में भी डिजिटल उपयोग में खासी प्रगति हुई है। जिससे व्यवस्था अधिक पारदर्शी और नागरिकों के हितों के अनुकूल हो गई है। इस डिजिटल क्रांति के चलते स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बैंकिंग और अन्य सेवाओं तक नागरिकों की पहुंच आसान हुई है। डिजिटल क्रांति से जुड़ी तमाम चुनौतियों के अलावा अभी देश में डिजिटल डिवाइड की समस्या बनी हुई है। जिसे यथाशीघ्र पाटने की जरूरत है। हालांकि, इस दिशा में आशातीत प्रगति भी हुई है, लेकिन अभी इस दिशा में बहुत कुछ करने के लिये चरणबद्ध प्रयासों की सख्त जरूरत है। यह चुनौती ग्रामीण भारत में अधिक नजर आती है। जहां इंटरनेट सेवाओं और मोबाइलों की पहुंच शहरों के मुकाबले कम है। जाहिर है, जब देश के हर व्यक्ति तक डिजिटल क्रांति का लाभ पूरी तरह नहीं पहुंच पाएगा, इस क्रांति के लक्ष्य अधूरे ही रहेंगे। निश्चित रूप से देश में स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिंग आदि सेवाओं में जो व्यापक सुधार आया है, उसका लाभ हर नागरिक तक पहुंचना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर देश में डिजिटल डिवाइड की खाई को पाटने की दिशा में मिशन के रूप में प्रयास जारी हैं। लेकिन हाल में हुए कुछ सर्वेक्षणों के निष्कर्ष चिंता बढ़ाने वाले हैं। इसमें शामिल व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण रू दूरसंचार, 2025 का उल्लेख करना जरूरी हो जाता है। जिसके अनुसार साल 2025 तक भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली लगभग आधी महिलाओं के पास मोबाइल फोन उपलब्ध नहीं थे। इसके निष्कर्ष एक महीने पहले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा भी जारी किए गए थे। वहीं इसी तरह एक और आंख खोलने वाली बात शिक्षा मंत्रालय के तहत आने वाले यूनिफाइड डिस्ट्रिक इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की वर्ष 2023–24 की रिपोर्ट में भी सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के केवल 57.2 फीसदी स्कूलों में कार्यात्मक कंप्यूटर ही उपलब्ध हैं। वहीं दूसरी ओर 53.9 प्रतिशत स्कूलों में ही इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। देश के विपक्षी दल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारत नेट परियोजना के तहत कुल 6.55 लाख गांवों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के लिये लक्षित किया जाना था, लेकिन अभी तक उसमें दो–तिहाई गांवों को कवर किया जाना अभी बाकी है। वहीं दूसरी ओर देश की इस सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी ने बीएसएनएल की दुर्दशा को भी उजागर किया है, जो एक के बाद एक पुनरुद्धार पैकेज मिलने के बावजूद टेलीकॉम क्षेत्र की निजी कंपनियों के खिलाड़ियों से पीछे है। निस्संदेह, मोदी सरकार के पास डिजिटल इंडिया की प्रगति के लिये अपनी पीठ थपथपाने के लिये कई कारण हैं, लेकिन उसे कमियों और अंतरालों पर ध्यान देने की सलाह दी जाएगी। निश्चित रूप से डिजिटल पारिस्थितिकीय तंत्र के भीतर व्याप्त असमानताओं को दूर किए बिना विकसित भारत के लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा। डिजिटल क्रांति को गति देना निश्चित तौर पर राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए।

कोल्हापुरी चप्पल की अंतरराष्ट्रीय चोरी

डॉ. दीपक पाचपोर

वे पीढ़ियों से कोल्हापुरी चप्पलें बना रहे हैं और उन्हें नजदीकी शहरों में बेच रहे हैं, खासकर कोल्हापुर में, जो समय के साथ इनका ब्रांड और बाजार बन गया।

भारत में धार्मिक आयोजनों में या धार्मिक स्थलों के बाहर चप्पल चोरी तो इतनी आम बात हो चुकी है कि अब उसे मजाक की तरह लिया जाता है। लेकिन भारत की खास पहचान कोल्हापुरी चप्पलों की अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में चोरी के रास्ते खोले गए हैं, जिस पर सरकार को फौरन सख्ती बरतने की जरूरत है। दरअसल महाराष्ट्र और कर्नाटक के कारीगरों की बनाई खास कोल्हापुरी चप्पलों जैसी ही डिजाइन की सैंडिल को हाल में इटली के मशहूर फैशन ब्रांड प्राडा ने एक लाख रुपये से ज्यादा में बेचा है। इस खबर के बाहर आते ही सवाल खड़े हो गए कि क्या वैश्विक बाजार में अब भारत की चप्पलें भी सुरक्षित नहीं हैं, क्या उनकी भी चोरी हो रही है। क्योंकि जिस खास कोल्हापुरी चप्पल को ज्यादा से ज्यादा हजार रूपए में बेचा जाता है और उस पर भी कारीगरों के हाथ में कुछ नहीं आता, वहीं वैश्विक कंपनियों को इस तरह नकल से मुनाफा कमाने दिया जा सकता है, इस पर चिंता खड़ी हो गई है। इस बारे में कर्नाटक कांग्रेस विधायक प्रियांक खड़गे ने एक पोस्ट में बताया कि कोल्हापुरी चप्पल बनाने वाले बड़ी संख्या में कारीगर कर्नाटक के अठानी, निपानी, चिकोड़ी, रायबाग और बेलगावी, बागलकोट और धारवाड़ के विभिन्न इलाकों में रहते हैं। वे पीढ़ियों से कोल्हापुरी चप्पलें बना रहे हैं और उन्हें नजदीकी शहरों में बेच रहे हैं, खासकर कोल्हापुर में, जो समय के साथ इनका ब्रांड और बाजार बन गया। महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर, सांगली, सतारा और सोलापुर के आसपास के जिलों में भी इसके कारीगर हैं। अगर मशहूर फैशन ब्रांड्स इन कारीगरों के उत्पादों को बेचते हैं तो कारीगरों के हुनर और उनकी विरासत को पहचान मिलनी चाहिए। बता दें कि 2019 में कारीगरों ने लंबी लड़ाई के बाद कोल्हापुरी चप्पलों के लिए जीआई टैग हासिल किया था, फिर भी प्राडा ने इसकी बेधड़क नकल की है। जिस पर अब यह मांग उठी है कि भारत सरकार जीआई टैग वाली चीजों को बचाने के लिए मजबूत नियम बनाए। यह भी कहा गया कि बड़े ब्रांड कारीगरों के साथ मिलकर काम करें और उन्हें सही पैसे दें। कोल्हापुरी चप्पल बनाने वालों का कहना है कि अगर विवाद नहीं सुलझा तो वह इस मुद्दे को कोर्ट में ले जाएंगे। वहीं प्राडा के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के प्रमुख लोरेंजो बर्टेली ने महाराष्ट्र चौंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर के एक पत्र के जवाब में कहा कि हम जिम्मेदार डिजाइन तौर तरीकों, सांस्कृतिक जुड़ाव को बढ़ावा देने और स्थानीय भारतीय कारीगर समुदायों के साथ सार्थक आदान–प्रदान के लिए बातचीत शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जैसा कि हमने अतीत में अन्य उत्पादों में किया है ताकि उनके शिल्प की सही पहचान सुनिश्चित हो सके। भारतीय शिल्प को सही पहचान देने की बात एक मशहूर अंतरराष्ट्रीय ब्रांड करे तब भी इस मामले के बाद निश्चिंत होकर बैठना सही नहीं होगा। क्योंकि इतिहास गवाह है कि किस तरह हमारे उत्पाद, हस्तशिल्प, फसलों, प्राकृतिक संसाधनों इन सबका दोहन करके लंबी गुलामी की तरफ देश को धकेला गया। आजादी के बाद भी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की निगाहें भारतीय बाजार पर गड़ी हुई हैं। भूमंडलीकरण ने लूट के नए दरवाजे खोले हैं। बाजार की चकाचौंध और मार्केटिंग के नए तरीकों की आड़ में आम उपभोक्ता और कारीगरों दोनों को चूना लगाया जाता है और अक्सर इनके मुनाफे का बड़ा हिस्सा राजनैतिक चंदे की शक्ल में सत्ताधीशों को मिलता है, तो वे इस लूट पर बेफिक्र दिखाई देते हैं। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कई बार इस मुद्दे को अलग–अलग तरीके से उठाया है कि भारत के हुनर को मुनाफा कमाने के अवसरों से वंचित रखा जा रहा है। किसान, मोची, नाई, कुम्हार, राजमिस्त्री, पाक कला शास्त्री, बुनकर, हस्तशिल्प कारीगर ऐसे अनेक लोगों या समूहों से राहुल गांधी ने मुलाकात कर उनके काम को समझा है और उनके लिए अवसरों की नयी संभावनाओं को टटोला है। लेकिन विपक्ष में होने के कारण वे एक सीमा तक ही इस मुद्दे को उठा सकते हैं, अपने सुझाव दे सकते हैं या किसी की मदद कर सकते हैं। इस मामले में असली जिम्मेदारी मोदी सरकार को निभानी है। इसमें केवल जीआई का टैग लगा देना ही पर्याप्त नहीं होगा। गौरतलब है कि जीआई यानी जियोग्राफिकल इंडिकेशन या भौगोलिक संकेतक का इस्तेमाल ऐसे उत्पादों के लिए किया जाता है, जिनका एक विशिष्ट भौगोलिक मूल क्षेत्र होता है। किसी उत्पाद को इस खास भौगोलिक पहचान के मिल जाने से उस के उत्पादकों को उसकी अच्छी कीमत मिलती है। 2003 में संसद में जीआई कानून पास हुआ था। भारत की विरासत और पहचान को बचाना और उसे दुनियाभर में प्रसिद्ध करने की कानूनी कवायद इसका खास मकसद है। क्योंकि भारत के मशहूर उत्पादों की नकल कर वैसा ही सामान वैश्विक बाजार में खूब बेचा जा रहा था। इससे देश की धरोहर और विरासत को खतरा महसूस हुआ, जिसके बाद असली उत्पाद की गरिमा को बनाए रखने के लिए जीआई टैग का कानून लाया गया। जीआई टैग वाणिज्य मंत्रालय के तहत आने वाले डिपार्टमेंट ऑफ इंडस्ट्री प्रमोशन एंड इंटरनल ट्रेड की तरफ से दिया जाता है। इसका पंजीकरण 10 साल के लिए मान्य होता है। साल 2004 में देश में सबसे पहले दार्जिलिंग की चाय को जीआई टैग मिला था। इसके बाद कम से कम 3 सौ उत्पादों पर जीआई टैग लग चुका है।

कांग्रेस को फिदायीन हमलावरों से कैसे बचाएंगे राहुल?

अनिल जैन

कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी ने कुछ समय पहले गुजरात में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि कांग्रेस में ऐसे कई लोग हैं जो गुप्त रूप से भाजपा के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा था कि ऐसे नेताओं को पहचानने और बाहर निकालने की जरूरत है। बाद में यही बात राहुल ने बिहार और मध्य प्रदेश में भी कही। लगभग ऐसी ही बात चालीस साल पहले राहुल के पिता राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष की हैसियत से कही थी। दिसंबर 1985 में कांग्रेस पार्टी की स्थापना के 100 साल पूरे होने पर बंबई (अब मुंबई) में आयोजित शताब्दी अधिवेशन में तत्कालीन प्रधानमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गांधी ने कहा था कि कांग्रेस को सत्ता के दलालों से मुक्त कराया जाएगा। राजीव पांच साल तक प्रधानमंत्री और अपनी हत्या होने तक करीब साढ़े छह साल तक कांग्रेस के अध्यक्ष रहे लेकिन सत्ता के किसी भी दलाल को कांग्रेस से बाहर नहीं कर सके। अलबत्ता अरुण नेहरू जैसे सत्ता के दुर्दांत दलाल जरूर उनके विश्वासपात्र सलाहकार बनकर उनसे उलटे–सीधे फैसले करवाते रहे। शाहबानो मामले में मुस्लिम कट्टरपंथियों के आगे झुकते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को संसद के जरिये पलटने और फिर हिंदू कट्टरपंथियों को संतुष्ट करने के लिए अयोध्या में ताला खुलवाने जैसे विवादास्पद फैसले अरुण नेहरू की ही देन थे, जिनका खामियाजा कांग्रेस ने 1989 के चुनाव में भी भुगता और आज तक भुगत रही है। बाद में अरुण नेहरू जनता दल और विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार में भी मंत्री रहे और उस सरकार के गिरने के बाद भाजपा में शामिल होकर अखबारों में कॉलम लिखने लगे थे, जिसमें वे कांग्रेस के खिलाफ खूब जहर उगलते थे। अरुण नेहरू के अलावा दूसरे तमाम सत्ता के दलाल पार्टी में जमे रहे– राजीव गांधी के जीवनकाल में और उनके बाद भी। उनका कांग्रेस से बाहर निकलने का सिलसिला 2013 से शुरू हुआ, जब उन्हें लग गया कि अब कांग्रेस सत्ता से बाहर होने वाली है। तब से लेकर अब तक सत्ता के दलालों का कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने का सिलसिला बना हुआ है। पिछले बारह वर्षों के दौरान करीब एक दर्जन पूर्व मुख्यमंत्री, दो दर्जन से ज्यादा पूर्व केंद्रीय मंत्री, असंख्य पूर्व सांसद–विधायक और अन्य छोटे–बड़े नेता कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए हैं, जिनमें से ज्यादातर गले में भगवा पट्टा डाले हुए सत्ता सुख भोग रहे हैं। इसे उनकी श्घर वापसीश् भी कह सकते हैं। इसके अलावा भी कई नेता ऐसे हैं जो अभी कांग्रेस में बने हुए हैं लेकिन काम भाजपा के लिए कर रहे हैं। ऐसे ही लोगों की ओर राहुल गांधी ने गुजरात, बिहार और मध्य प्रदेश में इशारा किया था। सवाल है कि क्या राहुल ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें कांग्रेस से बाहर का रास्ता दिखाने का साहस कर पाएंगे? राजीव गांधी ने जब सत्ता के दलालों को पार्टी से बाहर करने की बात कही थी तब तो कांग्रेस अभूतपूर्व बहुमत के साथ सत्ता में थी। देश के तीन चौथाई से ज्यादा राज्यों में भी उसकी सरकारें थीं। राजीव गांधी प्रधानमंत्री होने के साथ ही पार्टी के भी अध्यक्ष थे और पार्टी पर उनका पूरी तरह नियंत्रण था। इसके बावजूद वे किसी भी नेता की सत्ता के दलाल के तौर पर शिनाख्त कर उसे पार्टी से बाहर नहीं कर पाए थे। अब तो हालात बिल्कुल अलग हैं। चूंकि पार्टी पिछले एक दशक से केंद्र सहित ज्यादातर राज्यों में सत्ता से तो बाहर है, इसलिए शीर्ष नेतृत्व की पार्टी संगठन पर पकड़ भी बेहद कमजोर है। नेतृत्व की इसी कमजोरी का फायदा उठाते हुए पार्टी में कई लोग हैं जो अलग–अलग स्तरों पर विभिन्न तरीकों से पार्टी की जड़ें खोदने का काम खुल कर करते हैं और मौका आने पर पार्टी नेतृत्व को आंखें भी दिखाते हैं। इस समय पार्टी का एक समूह ऐसा ही कर रहा है। जैसे ही राहुल गांधी ने भाजपा के दलालों को पहचानने और उन्हें कांग्रेस से बाहर करने की बात कही, वैसे ही पार्टी के कुछ बुद्धिजीवीनुमा लोगों ने उत्तर प्रदेश और बिहार में इंडिया गठबंधन को तोड़ने और भाजपा की राह आसान करने के लिए एक अभियान शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत पचास साल पुराने आपातकाल का औचित्य साबित करने की कोशिश की जा रही है। सब जानते हैं कि आपातकाल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के इको सिस्टम का प्रिय मुद्दा है, जिसके सहारे वे मौके–बेमौके कांग्रेस पर हमला करते रहते हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि आपातकाल का औचित्य साबित करने का जो अभियान शुरू हुआ है, उससे किसे फायदा होगा! पिछले दस सालों के दौरान आरएसएस एंड संस के तत्वावधान में गांधी और नेहरू का पर्याप्त रूप से चरित्र हनन हो चुका है और वामपंथियों को तो वे पहले ही देश का शत्रु घोषित कर चुके हैं। अब बचे हैं समाजवादी आंदोलन के प्रतीक पुरुष जयप्रकाश नारायण (जेपी) तथा डॉक्टर राममनोहर लोहिया, जिनका चरित्र हनन वह खुद नहीं करना चाहते, इसलिए उनके रणनीतिकारों ने यह जिम्मा भी आपातकाल के इन नवजात कांग्रेसी आशिकों को सौंपा है। इस जिम्मेदारी को भी कांग्रेस से जुड़ी यह मंडली पूरे उत्साह से निभाने में जुटी है। दलीय राजनीति से दूर जो समाजवादी कार्यकर्ता, लेखक और पत्रकार मौजूदा सरकार के तानाशाहीपूर्ण कृत्यों के विरोध में कांग्रेस का प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष सहयोग कर रहे हैं, उन्हें चिढ़ाने और उकसाने के लिए जेपी–लोहिया जैसे भारत छोड़ो आंदोलन के महानायकों और भारतीय समाजवादी आंदोलन के शिखर पुरुषों को बिना किसी सबूत के सीआईए का एजेंट, देशद्रोही और इजरायल का समर्थक बताया जा रहा है। लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति आलोचना से परे नहीं हो सकता। किसी बात के लिए महात्मा गांधी की भी आलोचना हो सकती है और नेहरू–पटेल व जेपी–लोहिया की भी, लेकिन उसका कोई तार्किक आधार तो होना चाहिए। मगर आपातकाल के इन नवजात आशिकों को इससे कोई मतलब नहीं। इन्हें किसी ने रटा दिया है कि 1967 में लोहिया ने और 1974 में जेपी ने आरएसएस और जनसंघ की मदद लेकर इन्हें राजनीतिक वैधता प्रदान की जिससे ये ताकतवर हो गए और आज देश भर में सत्ता पर काबिज हैं। इन लोगों के पास इस बात का कोई जवाब नहीं है कि 1984 में दो सीटों पर सिमटने के बाद भाजपा को मिली ताकत के लिए कौन जिम्मेदार है? शाहबानो मामले में मुस्लिम कट्टरपंथियों के आगे घुटने टेकने, हिंदू कट्टरपंथियों को खुश करने के लिए अयोध्या का ताला खुलवाने और मंडल आयोग की सिफारिशों का विरोध करने जैसे आत्मघाती फैसलों के लिए कांग्रेस पर दबाव बनाने के लिए क्या जेपी और लोहिया आए थे? अपनी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ 1974 में शुरू हुए आंदोलन को कुचलने के लिए देश पर आपातकाल थोपने वाली इंदिरा गांधी ने 1980 में सत्ता में वापसी करने के बाद आपातकाल लागू करने को अपनी गलती मान लिया था। आपातकाल के दौरान हुईं ज्यादतियों के लिए भी उन्होंने खेद जताया था। उनके बाद हुए कांग्रेस के तीन अन्य प्रधानमंत्रियों और 22 साल तक कांग्रेस अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी ने भी आपातकाल को गलत माना, लेकिन कांग्रेस के भीतर रातों–रात पैदा हुए आपातकाल के नवप्रसूत आशिक पूरी बेशर्मी के साथ आपातकाल के महिमामंडन में जुटे हैं। इन लोगों के बारे में एक तथ्य यह है कि ये लोग मौजूदा अघोषित आंदोलन के बारे में कभी मुंह नहीं खोलते बल्कि पुराने आपातकाल का औचित्य साबित कर प्रकारांतर से मौजूदा अघोषित आपातकाल को भी सही मानते हैं। राहुल गांधी पिछले लंबे समय से कांग्रेस का खोया हुआ जनाधार हासिल करने के लिए सामाजिक न्याय के मुद्दे को शिद्दत से उठा रहे हैं। वे सांप्रदायिक ताकतों और सरकार की मदद से देश के संसाधनों को लूट रहे बेईमान उद्योग घरानों को सीधे–सीधे ललकार रहे हैं।

बिहार में नये मतदाता मानदंड लागू करना एनआरसी लाने का संकेत

डॉ. ज्ञान पाठक

बिहार में चुनाव 22 नवंबर, 2025 को विधानसभा की अवधि समाप्त होने से पहले होने हैं। सभी राजनीतिक दल इस महाचुनावी लड़ाई की जोरदार तैयारी कर रहे हैं। बिहार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण चुनावी लड़ाई रही है। खबरों में बताया गया है कि पार्टी ने बिहार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 200 या उससे अधिक चुनावी रैलियां कराने की योजना बनायी है। इसलिए भारत के चुनाव आयोग के पास पिछले एक दशक में किसी भी अन्य चुनाव की तुलना में बिहार चुनाव को अधिक गंभीरता से लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इसी सामान्य संदर्भ में भारत के चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने का निर्देश दिया है, जो 1 जुलाई, 2025 से शुरू होगा। पिछला गहन पुनरीक्षण1 जनवरी, 2003 की निर्धारित तिथि को आधार मानकर किया गया था। इसका मतलब है कि मतदाता सूची नये सिरे से तैयार की जायेगी और मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए, एक नागरिक, खासकर वे लोग जिनका नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं था, उन्हें अपनी नागरिकता साबित करनी होगी। ईसीआई ने कहा है कि सभी मतदाताओं को एक गणना फॉर्म जमा करना होगा और 2003 के बाद पंजीकृत लोगों को आयोग द्वारा निर्दिष्ट दिशा–निर्देशों और कार्यक्रम के अनुसार अपनी नागरिकता साबित करने वाले दस्तावेज भी देने होंगे। एक नया घोषणा पत्र जोड़ा जायेगा जिसमें नागरिकता के प्रमाण की आवश्यकता होगी। इससे पहले, ईसीआई के फॉर्म 6 में आवेदक द्वारा यह घोषणा करना पर्याप्त था कि वे नागरिक हैं। आयोग ने यह भी कहा है कि रोल का श्विशेष गहन पुनरीक्षण या एसआईआर, अंततः सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करेगा। बिहार में अंतिम संशोधित मतदाता सूची 30 सितंबर, 2025 को प्रकाशित की जायेगी। यह चुनाव आयोग के निर्णय को सबसे विवादास्पद बनाता है, क्योंकि हम असम में पहले ही देख चुके हैं कि न केवल बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए, बल्कि वास्तविक भारतीय नागरिकों के लिए भी नागरिकता साबित करना कितना मुश्किल था। राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के प्रारंभिक मसौदे में 40 लाख लोगों को बाहर रखा गया था, और अंतिम सूची में 19 लाख लोगों को बाहर रखा गया, क्योंकि वे अपनी नागरिकता साबित नहीं कर सके, हालांकि 1971 कटऑफ वर्ष था। 2018 में पहली सूची आने और 2019 में अंतिम सूची प्रकाशित होने के बाद भी यह मुद्दा हल नहीं हुआ है। यह स्पष्ट रूप से इस तथ्य की याद दिलाता है कि बिहार की 2025 की संशोधित मतदाता सूची से लाखों लोगों को हटा दिया जायेगा, जिसे बस कुछ महीनों के भीतर तैयार किया जाना है। चुनाव आयोग मतदाता को अपनी नागरिकता साबित करने के लिए सीमित समय देगा, जो वह नहीं कर सकता, जैसा कि असम के अनुभव ने पहले ही दिखा दिया है। इसके अलावा, यह भी ध्यान देने वाली बात है कि बिहार में 2003 के बाद पैदा हुए सभी लोगों के पास जन्म प्रमाण पत्र तक नहीं है। जनसंख्या अनुसंधान केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, बिहार में जन्म पंजीकरण दर 2018 में केवल 80.3 प्रतिशत तक पहुंच पाई थी। इसका मतलब है कि लाखों लोग अपना जन्म प्रमाण पत्र भी नहीं दे पायेंगे, और इसलिए संशोधित मतदाता सूची से बाहर हो सकते हैं। ईसीआई स्पष्ट रूप से पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से प्रभावित है, जो एनआरसी की राजनीति कर रही है। संशोधित मतदाता सूची में शामिल होने की अनुमति देने के लिए नागरिकता साबित करना शर्त के रूप में, मतदाता सूची के विशेष संशोधन के नाम पर एनआरसी का अप्रत्यक्ष कार्यान्वयन है। चूंकि नागरिकता साबित करना एक विवादास्पद मामला है, इसलिए ईसीआई को इसे शर्त के रूप में नहीं रखना चाहिए था, जब तक कि यह मुद्दा हल न हो जाये। मोदी सरकार की ओर से नागरिकता के मुद्दे को लेकर ईसीआई का कदम न केवल यह दर्शाता है कि ईसीआई से समझौता किया गया है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि पूरे भारत के लिए एनआरसी का निर्माण और रखरखाव मोदी सरकार के कार्ड पर है। इस संदर्भ में टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी का बयान ध्यान देने योग्य है। उन्होंने कहा कि संशोधन के कारण ग्रामीण लोग बाहर रह जायेंगे। उन्होंने कहा,और फिर आप सूची बढ़ाने के लिए श्उधार लिए गए मतदाताओं के नाम शामिल करेंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि आप हार रहे हैं। सिर्फ इसलिए कि आप हार रहे हैं, आप दूसरे राज्यों के नाम जोड़ देंगे। यह एनआरसी से भी ज्यादा खतरनाक है। ध्यान रहे कि पश्चिम बंगाल में अगले साल चुनाव होने वाले हैं। ममता ने भाजपा और चुनाव आयोग पर मिलकर काम करने और नए मतदाता सूची सत्यापन प्रक्रिया की आड़ में बंगाल और उसके लोगोंश, खास तौर पर बंगाल के युवाओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यह बहुत चिंताजनक है। उन्होंने मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए एक घोषणा पत्र पेश किया है। 1 जुलाई 1987 और 2 दिसंबर 2004 के बीच जन्मे लोगों के लिए मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए माता–पिता के जन्म प्रमाण पत्र के साथ एक नया घोषणा पत्र जमा करना होगा। ईसीआई का कहना है कि माता–पिता के जन्म प्रमाण पत्र जमा करने होंगे। पूर्ण गणना के नाम पर क्या चल रहा है? यह ईसीआई का एक दस्तावेज और घोषणा पत्र है। इसमें कई अनियमितताएं हैं। यहां मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोप का उल्लेख किया जा सकता है जो प्रथम दृष्टया संभव प्रतीत होते हैं, और यह भाजपा और एनडीए के पक्ष में जा सकता है, जैसा कि विपक्षी कांग्रेस के नेता राहुल गांधी द्वारा महाराष्ट्र में कथित तौर पर ऐसा करने का आरोप लगाया गया है। कांग्रेस ने भी चुनाव आयोग के नये कदम का विरोध करते हुए कहा है कि इससे राज्य मशीनरी का इस्तेमाल करके मतदाताओं को जानबूझ कर बाहर किये जाने का जोखिम है, और उसने इसे श्धूर्ततापूर्णश करार दिया। चूंकि चुनाव आयोग ने पहले ही कहा है कि बिहार से शुरू करके पूरे देश में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण किया जायेगा, इसलिए हम यह मान सकते हैं कि ऐसी सभी कवायदों में नागरिकता के प्रमाण की शर्त होगी। मतदाता सूची के पुनरीक्षण में यह एक नयी बात है, जिसके लिए चुनाव आयोग ने नये नियम और दिशा–निर्देश बनाये हैं, लेकिन मतदाताओं को उनका पालन करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया है। यह चुनाव आयोग का पूरी तरह से अलोकतांत्रिक रवैया है। इस मुद्दे ने पहले ही बिहार में राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, और इसका असर अन्य राज्यों पर भी पड़ने की संभावना है। बुधवार को पटना में बिहार के मुख्य चुनाव अधिकारी के साथ राजनीतिक दलों की बैठक में राजद, कांग्रेस, सीपीआई (एमएल) लिबरेशन, सीपीआई और सीपीआई (एम) सहित इंडिया ब्लॉक के प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से एसआईआर को खारिज कर दिया, तथा इसे गरीब, ग्रामीण और अल्पसंख्यक मतदाताओं को बाहर करने की चाल बताया।

उसके बिना घर खाली और पूरी रात जागता.. हर पल शेफाली जरीवाला को याद करते थे पराग त्यागी

"पत्नी और एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला की अचानक मौत से पराग बुरी तरह टूट गए हैं। भले ही पराग ने अभी तक शेफाली के यूं चले जाने पर अपना दुख जाहिर नहीं किया लेकिन पत्नी के अंतिम संस्कार और उसकी अस्थियों को सीने से लगाए रखने वाली पराग की तस्वीरें बिन कहे बहुत कुछ कह रही थीं।

पति–पत्नी का रिश्ता बहुत खास होता है। यह दो लोगों के बीच का एक अटूट बंधन है जो प्यार, सम्मान और समझदारी पर आधारित होता है। यदि किसी कारणवश दोनों में से किसी एक का साथ छूट जाता है, तो यह रिश्ता एक गहरे दुख और अकेलेपन में बदल जाता है। कुछ ऐसे ही अकेलपन से इस समय एक्टर पराग त्यागी गुजर रहे हैं। पत्नी और एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला की अचानक मौत से पराग बुरी तरह टूट गए हैं। भले ही पराग ने अभी तक शेफाली के यूं चले जाने पर अपना दुख जाहिर नहीं किया लेकिन पत्नी के अंतिम संस्कार और उसकी अस्थियों को सीने से लगाए रखने वाली पराग की तस्वीरें बिन कहे बहुत कुछ कह रही थीं। वहीं अब पराग त्यागी का एक पुराना इंटरव्यू चर्चा में आया है, जब उन्होंने एक्ट्रेस के बिग बॉस 13 में जाने और उनके बिना घर और खुद की स्थिति के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था कि उनके लिए पत्नी से दूर रहना आसान नहीं बल्कि बहुत मुश्किल है। पराग त्यागी ने वैलेंटाइन डे के मौके पर बात की थी और बताया था कि वह शेफाली की कितना याद कर रहे थे जब वह बिग बॉस 13 के घर में थीं। उन्होने कहा था–कभी–कभी हम अपनी लाइफ में बहुत संतुष्ट हो जाते हैं। मुझे ये पता था कि मैं शेफाली जरीवाला से प्यार करता हूं लेकिन कितना ये नहीं जानता था। जब वो बिग बॉस के घर में गई तब मुझे एहसास हुआ। जब वो मुझसे दूर थी। उन्होंने बताया था–मैंने उसे हर एक पल याद किया। उसके बिना घर खाली था। मुझे उसकी सबसे ज्यादा याद तब आती थी थी जब मुझे कुछ चीजें शेयर करने के लिए होती और वो मेरा पास नहीं होती थी। मैं पूरी रात जागता रहता था और ये सोचता था कि उसे कैसे बताऊं। मैं अपने पेरेंट्स से शेयर करता था लेकिन मैंने हमेशा उसके साथ सब कुछ शेयर किया है और वो वहां नहीं थी। पराग त्यागी ने कहा था कि वह चाहते है कि लोग उन्हें शेफाली जरीवाला के पति के रूप में जाने। वह उन्हें परी कहकर बुलाते थे। एक्ट्रेस के अंतिम संस्कार के बाद पराग ने मीडिया सेहाथ जोड़कर कहा था कि सभी उनकी परी के लिए दुआ करें। वह जहां भी हो खुश हो।

3 फिल्में, 3 जॉनर, 1 सुपरस्टार: 2025 में बॉक्स ऑफिस पर अक्षय कुमार की अटूट पकड़

बॉलीवुड का पहला आधा साल उतार–चढ़ाव से भरा रहा है, जहां लगातार रिलीज होती फिल्मों ने कभी दर्शकों को चौंकाया, तो कभी निराश किया। बॉक्स ऑफिस पर इस अस्थिरता के बीच अक्षय कुमार की फिल्में हर बाधा को पार कर गईं। स्काई फोर्स, केसरी चौप्टर 2 और हाउसफुल 5 के साथ–साथ छावा, रेड 2 और सितारे जमीन पर जैसी फिल्मों ने भी हिट क्लब में जगह बनाई। छह महीनों के अंदर तीन बड़ी हिट फिल्मों के साथ, अक्षय कुमार बॉलीवुड की बदलती दिशा को नई पहचान दे रहे हैं। साल की उनकी पहली रिलीज स्काई फोर्स ने 131.44 करोड़ का कलेक्शन किया, इसके बाद देशभक्ति की गहराई लिए केसरी चौप्टर 2 ने 93. 28 करोड़ कमाए और ताजा रिलीज हाउसफुल 5 अब तक 156.40 करोड़ कमा चुकी है और इसका थिएट्रिकल रन अभी जारी है। वहीं विक्की कौशल की छावा ₹600.10 करोड़ की कमाई के साथ सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी, अजय देवगन की रेड 2 ने 178.08 करोड़ और आमिर खान की सितारे जमीन पर ने ₹107.68 करोड़ का कलेक्शन किया। हर फिल्म के साथ अक्षय कुमार ने सफलता का नया मानदंड स्थापित किया है, वो भी तब जब सिनेमा बिजनेस बेहद अनिश्चित दौर से गुजर रहा है। देश के बड़े सितारों के बीच, अक्षय ने न केवल अपनी पहचान कायम रखी है, बल्कि हर बार कुछ नया करके दर्शकों को थिएटर तक खींच लाने में सफल रहे हैं।2025 के पहले छह महीनों में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले स्टार के तौर पर अक्षय ने सिनेमा की सूखी पड़ी जमीन पर फिर से हरियाली ला दी है और रफ्तार को नया जीवन दिया है। अगर यह सिलसिला यूं ही चलता रहा, तो कहा जा सकता है कि अक्षय कुमार बॉलीवुड की असली चमक और पुराना जादू वापस लाने में भरोसेमंद नाम बन चुके हैं।

दिलजीत का सपोर्ट करना नसीरुद्दीन शाह को पड़ा भारी, भड़के अशोक पंडित बोले-देश सबसे पहले और इंडस्ट्री में असहयोग..

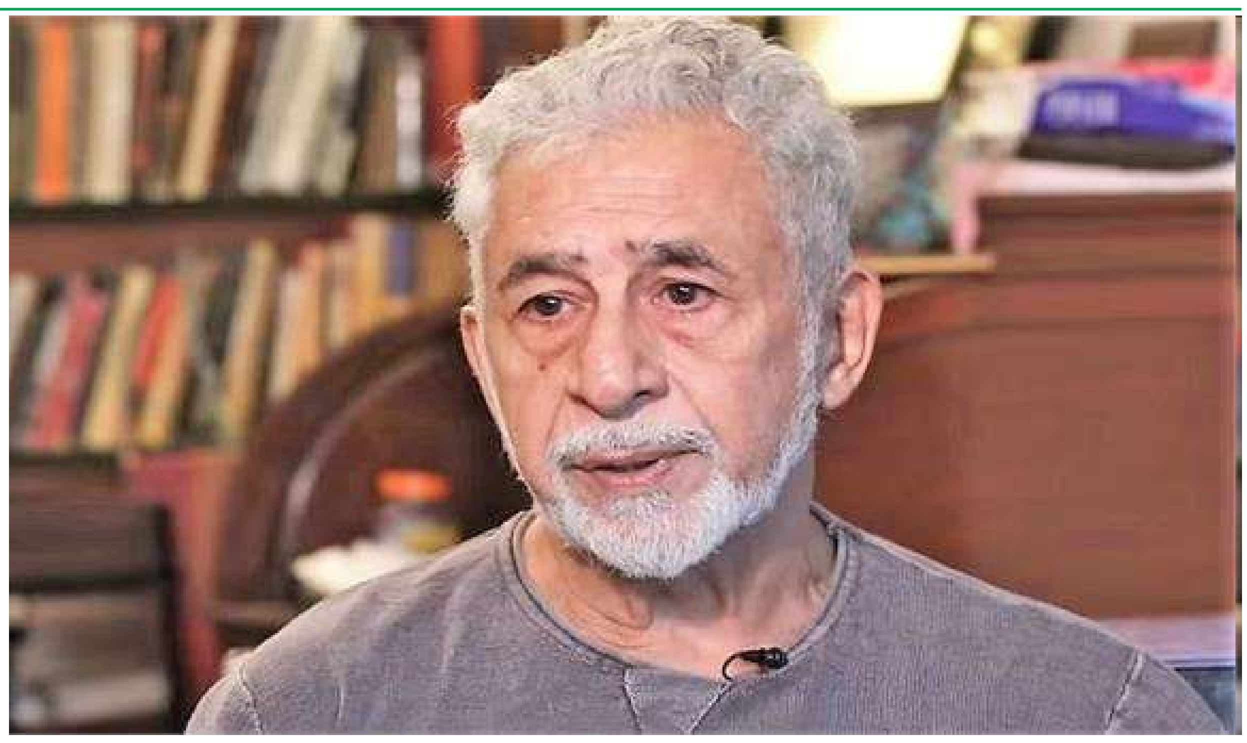

दिग्गज एक्टर नसीरुद्दीन शाह ने हाल ही में एक बयान में दिलजीत दोसांझ का समर्थन किया। उन्होंने फिल्म सरदार जी 3 में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर संग काम करने को लेकर विवादों का सामना कर रहे दिलजीत का खुलकर सपोर्ट किया था। वहीं, अब हाल ही में इस मामले पर फिल्ममेकर अशोक पंडित ने नसीरुद्दीन की आलोचना की है।नसीरुद्दीन शाह ने कहा था–मैं दिलजीत दोसांझ के साथ खड़ा हूं। जुमला पार्टी का डर्टी ट्रिक्स डिपार्टमेंट उन पर हमला करने की मौके ताक में है। उन्हें लगता है कि आखिरकार उन्हें मौका मिल ही गया। दिलजीत दोसांझ फिल्म की कास्टिंग के लिए जिम्मेदार नहीं थे। निर्देशक थे।इ उन्होंने ये भी कहा कि दिलजीत ने इस फिल्म के लिए इसलिए हामी भरी क्योंकि वो नफरत या जहर से भरे नहीं हैं।वहीं, अब नसीरुद्दीन के इस बयान पर फिल्ममेकर अशोक पंडित ने नाराजगी जाहिर की और एक्टर की आलोचना करते हुए कहा– नसीर उन्हें और उनकी पार्टी को 'गुंडे' और 'जुमला पार्टी' कह रहे हैं, जो उनकी हताशा दिखाता है। उन्होंने कहा कि देश सबसे पहले है और दिलजीत दोसांझ के खिलाफ इंडस्ट्री में असहयोग शुरू कर दिया गया है। बता दें, नसीरुद्दीन शाह से पहले गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने भी दिलजीत का सपोर्ट किया था। उन्होंने अपने बयान में कहा था– उस गरीब को मालूम होता कि ऐसा होने वाला है, तो वो पागल थोड़ी था जो ले लेता उस एक्ट्रेस (हानिया आमिर) को। मेरा ख्याल है कि सरकार को और सेंसर बोर्ड को इस बात को दया से देखना चाहिए। उन्हें कहना चाहिए कि तुम आइंदा मत करना, लेकिन तुमने पहले बना ली थी तो रिलीज कर लो, लेकिन अब ये दोबारा नहीं होना चाहिए।

अश्लील ड्रेस में वीडियो वायरल होने के बाद बिग बॉस 19 में नजर आएंगी खुशी मुखर्जी

खुशी मुखर्जी, जो अपने बोल्ड आउटफिट्स के कारण लंबे समय से आलोचनाओं का सामना कर रही हैं, ने अब अपने पहनावे का बचाव किया है। हाल ही में, खुशी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो डाला, जिसमें वह हनुमान चालीसा का पाठ करती नज़र आईं। उन्होंने उल्लेख किया कि वह एक गर्वित ब्राह्मण हैं और तर्क दिया कि सिर्फ इसलिए कि वह बोल्ड आउटफिट पहनती हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि वह संस्कारी नहीं हैं। खुशी ने वीडियो में कहा ष्मैं एक बंगाली ब्राह्मण परिवार में पैदा हुई और पली–बढ़ी हूँ और मैं अपनी सांस्कृतिक जड़ों से बहुत परिचित हूँ। मैं सबके सामने हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहूँगी। उन्होंने कहा, ऐसा करके मैं किसी को कुछ साबित नहीं करना चाहती थी। मुझे पता है कि लोग अब भी मेरे बारे में बहुत सारी बुरी बातें कहेंगे और मुझे ट्रोल करेंगे। मैं बस सबको बताना चाहती थी कि सिर्फ़ इसलिए कि मैं बोल्ड कपड़े पहनती हूँ, इसका मतलब यह नहीं है कि मैं भारतीय संस्कृति भूल गई हूँ। खुशी मुखर्जी इस समय लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। बिग बॉस 19 में बोल्डनेस का तड़का लगाएंगी। रिएलिटी शो बिग बॉस 19 में खुशी मुखर्जी की एंट्री हो सकती है। ऐसे में खुद खुशी मुखर्जी ने इस बात का खुलासा कर दिया है कि क्या वो बिग बॉस 19 में जाना पसंद करेंगी या फिर नहीं... खुशी मुखर्जी का जवाब जानकर आपको भी झटका लग जाएगा। बॉलीवुड लाइफ हिंदी से बात करते हुए खुशी मुखर्जी ने कहा, मैं एक ऑडियंस के तौर पर बिग बॉस 19 का हिस्सा बनना चाहूंगी।

नोज पिन, हैवी ज्वैलरी और बालों में गजरा.... साउथ इंडियन ब्राइड बनीं शिवांगी जोशी,सिल्क की साड़ी में लगी बला की खूबसूरत

टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में शिवांगी ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह साउथ इंडियन ब्राइड बनी नजर आ रही हैं। दरअसल, बड़े अच्छे लगते हैं का नया सीजन शुरू हो चुका है। शो में हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी की जोड़ी को बहुत पसंद किया जा रहा है। शो में शिवांगी एक साउथ इंडियन लड़की का किरदार निभाती नजर आ रही हैं। ये तस्वीरें उसी शो की हैं। उन्होंने रेड कलर की सिल्क की साड़ी पहनी हैं जिसमें वह बला की खूबसूरत लग रही हैं। मांग टीका,मोज पिन, कड़े और हार शिवांगी के लुक को चार –चांद लगा रहे हैं। शिवांगी ने फोटोज शेयर करते हुए लिखा– ओ रे पिया। इसके साथ में हार्ट इमोजी पोस्ट की।उनकी फोटोज से फैंस की नजरें नहीं हट रही हैं।

77 की मुमताज हर 4 महीने पर करवाती हैं फिलर्स, बोलीं-प्लास्टिक सर्जरी करवानी पड़ी तो वो भी करवाऊंगी

कांटा लगा गर्ल के नाम से फेमस एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला की अचानक और चौंकाने वाली मौत ने सभी को हैरान कर दिया। इसके साथ ही सेलेब्स के बीच एंटी–एजिंग ट्रीटमेंट (बढ़ती उम्र में भी जवां बने रहने) के प्रति चिंताएं भी पैदा कर दी हैं। हर कोई इस पर खुलकर बात कर रहा है। हाल ही में इंडस्ट्री की दिग्गज एक्ट्रेस मुमताज ने अपनी फिटनेस रूटीन से लेकर कॉस्मेटिक फिलर्स और प्लास्टिक सर्जरी के बारे में बात की है। 77 साल की मुमताज ने खुलासा किया है कि वह नियम से अपने फिटनेस का ख्याल रखती हैं और वर्कआउट करती हैं। इसके साथ ही वह फिलर्स भी करवाती हैं। मुमताज ने बढ़ती उम्र में भी सुंदर दिखने के राज के बारे में कहा–मैंने कोई फेसलिफ्ट नहीं करवाया है। लेकिन जब बहुत थक जाती हूं तो अपने चेहरे के दोनों तरफ यानी बाएं और दाएं हिस्से पर फिलर्स करवाती हूं। उससे एक–दो महीना चल जाता है लेकिन मैं इसे हर चार महीने में एक बार करवाती हूं। मुझे अभी तक प्लास्टिक सर्जरी की जरूरत नहीं महसूस हुई है। मुमताज ने इंटरव्यू में आगे कहा–अगर आपको ऐसा लगता है कि आपमें कुछ कमी है तो आपको उसे ठीक करना चाहिए। बदलाव करना कोई गुनाह नहीं है। हर कोई सुंदर और अच्छा दिखना चाहता है। यहां तक कि अगर मुझे ऐसा लगा कि मुझे भी कुछ करना चाहिए कोई चेंजेस की जरूरत है तो मैं जरूर करूंगी। अगर मुझे प्लास्टिक सर्जरी भी करवानी पड़ी तो करवाऊंगी क्योंकि अगर ये मुझे सुंदर बनाता है तो क्यों नहीं। हर किसी को करवाना चाहिए।

मलाई से घी बनाते समय कमरे में फैली बदबू को इन हैक्स से करें दूर, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं। स्वास्थ्य के लिए घी बहुत ही अच्छा माना जाता है। भारतीय घरों में घी का खूब इस्तेमाल होता है। मार्केट में सबकुछ मिलावटी मिलने लगा है। मिलावटी और नकली घी स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। इस कारण आज भी बहुत सारे घरों में खुद से मलाई से घी तैयार किया जाता है। लेकिन जब घी बनाया जाता है, तो इसकी गंध बहुत तेज निकलती है। इसकी महक इतनी ज्यादा तेज होती है कि घर में दम घुटने लगे। ऐसे में अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घी बनाने के दौरान आने वाली बदबू को कैसे दूर किया जा सकता है।

इस चीज से दूर होगी घी की बदबू

घी से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए जब भी आप घी बनाएं, तो एक गिलास में सिरका भरकर गैस के बगल में रख दें। सिरका एक नेचुरल स्मेल ऑब्जर्वर की तरह काम करता है। यह हवा में मौजूद गंध को सोख लेता है। यह घी की तेज गंध को रोकने में सहायता करता है।

विनेगर

विनेगर में एसिटिक एसिड मौजूद होता है, जोकि हवा में मौजूद पार्टिकल्स को न्यूट्रलाइज करने का काम करता है। यह बदबू को खत्म करता है, जोकि रसोई में बहुत काम आ सकता है। इससे न सिर्फ घी की बल्कि अन्य कई तरह की दूसरी बदबू भी दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें बदबू

इसके अलावा आप अन्य कई तरीकों से भी घी की बदबू को दूर किया जा सकता है। इसके लिए आप किचन में एसेंशियल ऑयल भी रख सकते हैं, इससे भी महक दूर होगी। बता दें कि घी की महक को दूर करने के लिए इसको बनाने के दौरान किचन की खिड़की को खुला रखें। साथ ही एग्जॉस्ट फैन को भी ऑन रखें।

कोजेलन की कमी होने पर जल्द आता है बुढ़ापा, जानिए कैसे दूर करें इसकी कमी

आपने कुछ लोगों को देखा होगा कि वह 40 की उम्र में भी 20 साल के दिखते हैं। उनकी स्किन ग्लो करती है और कोई झुर्रियां नहीं हैं और पूरी तरह से फिट लगते हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ लोग कम उम्र में ही उम्रदराज दिखने लगते हैं। इसका राज कोलेजन है। आमतौर पर उम्र बढ़ने के साथ बॉडी में कोलेजन का लेवल घटता है तो झुर्रियां बढ़ते लगती हैं, स्किन ढीली पड़ने लगती है। हालांकि झुर्रियां बुढ़ापे की निशानी नहीं है। लेकिन कोलेजन की कमी होने पर जवान लोग भी बूढ़े दिखने लगते हैं। यही वजह है कि कोलेजन को युवाओं का प्रोटीन भी कहा जाता है। हमारे शरीर के कुल प्रोटीन का करीब 30: हिस्सा कोलेजन के काम आता है। यह एक बेहद जरूर प्रोटीन है और यह हमारी स्किन, हड्डियों, ब्लड वेसल्स और जोड़ों को भी मजबूत बनाने का काम करता है और इनकी स्ट्रक्चरिंग का भी काम करता है। वहीं शरीर में कोलेजन की कमी से कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

कोलेजन क्या है

यह हमारे शरीर का एक जरुरी प्रोटीन है, जोकि हड्डियों, जोड़ों, स्किन, मांसपेशियों और ब्लड वेसल्स को मजबूत बनाता है। कोलेजन को आप शरीर का गोंद समझ सकते हैं जोकि सब कुछ जोड़कर रखता है। यह स्किन का लचीलापन देता है, जोड़ों को सहारा देता है और हड्डियों को मजबूती देता है।

कोलेजन के प्रकार

बता दें कि अभी तक कोलेजन के 28 प्रकारों की पहचान की जा चुकी है। इससे पता चलता है कि कोलेजन न सिर्फ स्किन को चमकदार बनाता है। बल्कि शरीर में कहीं पर कट लगने पर खून को गाढ़ा करके परत बनाने में सहायता करती है। अंगों के लिए सुरक्षात्मक परत बनाता है और डेड स्किन कोशिकाओं को बदलता है।

कोलेजन के मुख्य प्रकार

टाइप 1– स्किन, टेंडन्स, हड्डियों और लिगामेंट्स में होता है।

टाइप 2– जोड़ों के कार्टिलेज में होता है। जोकि जोड़ों को लचीला बनाता है।

टाइप 3– मांसपेशियों, ब्लड वेसल्स और इंटरनल ऑर्गन्स में होता है।

टाइप 4 – स्किन की कुछ परतों में मौजूद होता है।

टाइप 5– स्किन, बालों और आंख के कॉर्निया में मौजूद होता है।

क्यों होती है कोलेजन की कमी

उम्र बढ़ना

25–30 साल की उम्र के बाद शरीर में कोलेजन का प्रोडक्शन धीमा पड़ने लगता है। हर साल करीब 1–2: कोलेजन कम होने लगता है। वहीं महिलाओं में मेनोपॉज के बाद कोलेजन का लेवल तेजी से कम होने लगता है।

धूप का असर

सूरज की हानिकारक युवी किरणें स्किन में कोलेजन को तोड़ती हैं। इसलिए बिना सनस्क्रीन के धूप में अधिक समय बिताना नुकसानदायक हो सकता है।

अनहेल्दी डाइट

विटामिन सी और प्रोटीन की कमी और पोषक तत्वों की कमी कोलेजन बनाने की प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं।

धूम्रपान और शराब

सिगरेट और शराब कोलेजन के उत्पादन को रोकने का काम करता है और स्किन को समय से पहले बूढ़ा बनाते हैं।

स्किन और नींद की कमी

अधिक तनाव और कम नींद हार्मोन असंतुलन पैदा करते हैं, जोकि कोलेजन को नुकसान पहुंचाते हैं।

आने वाले 3 दिनों में मचने वाली तबाही! बर्बाद हो जाएंगे 4 देश, बाबा वेंगा की चेतावनी

जापान में इन दिनों 5 जुलाई की तारीख को लेकर खास चर्चा चल रही है। इसकी वजह है मंगा आर्टिस्ट रियो तात्सुकी की 1999 में लिखी गई किताब द फ्यूचर आई सॉ में की गई भविष्यवाणी। तात्सुकी ने दावा किया था कि 5 जुलाई को जापान में एक बहुत बड़ा सुनामी आएगा, जो 2011 की तोहोकू आपदा से भी ज्यादा भयानक हो सकता है।

जापान के बाबा वेंगा की भविष्यवाणियां और बढ़ती चिंताएं

रियो तात्सुकी को जापान में अक्सर 'जापानी बाबा वेंगा' कहा जाता है। उन्होंने पहले भी कोरोना वायरस, राजकुमारी डायना की मौत, और 2011 के भूकंप–सुनामी जैसी कई बड़ी घटनाओं की सफल भविष्यवाणी की है। उनकी भविष्यवाणियां मंगा कॉमिक्स के रूप में प्रकाशित होती हैं, लेकिन कई बार ये हकीकत में भी सही साबित हुई हैं। तात्सुकी ने बताया है कि सुनामी के पहले समुद्र में उबाल, बुलबुले निकलना और तेज कंपन होना जैसे संकेत दिखाई देते हैं। फिलहाल जापान के दक्षिणी द्वीपों में हाल ही में भूकंपों की संख्या काफी बढ़ गई है, जिससे लोगों में डर और चिंता बढ़ गई है।

अकुसेकिजिमा द्वीप पर भूकंपों का मेला

5 जुलाई की सुनामी की भविष्यवाणी के बीच टोकारा द्वीप समूह के अकुसेकिजिमा द्वीप पर भी भूकंपों की भारी आवृत्ति देखी गई है। 21 जून से 1 जुलाई 2025 तक यहां कुल 736 भूकंप आ चुके हैं, जिनमें से 50 से अधिक झटके इतने तेज थे कि लोग उन्हें महसूस कर सके। भूकंपों की तीव्रता ज्यादातर 3 से 5 के बीच रही, लेकिन कुछ झटके इतने मजबूत थे कि घरों में रखे सामान गिर गए।

अकुसेकिजिमा एक ज्वालामुखीय द्वीप है, जो समुद्र तल से लगभग 150 मीटर ऊपर स्थित है। यहाँ सुनामी का खतरा कम माना जाता है, लेकिन इतनी भारी संख्या में भूकंपों के चलते बड़ी आपदा की आशंका बढ़ गई है।

जनजीवन पर प्रभाव और सावधानी

इतनी भयानक भविष्यवाणी और लगातार भूकंपों के कारण लोग डर गए हैं। कई लोग अपनी यात्रा कैंसिल कर रहे हैं, खासकर तटीय इलाकों में आवाजाही कम हो गई है। फ्लाइट टिकट भी रद्द हो रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ने भी सतर्कता बढ़ा दी है और जरूरत पड़ने पर तत्कालीन राहत एवं बचाव कार्य के लिए तैयार है। अकुसेकिजिमा गांव के 60 वर्षीय इसामु सकामोटो ने कहा, इतने भूकंपों के बाद जमीन हमेशा हिलती रहती है। अगर एक बड़ा झटका आए, तो नुकसान बहुत बड़ा हो सकता है। उनके डर को स्थानीय लोग भी साझा कर रहे हैं। जापान में 5 जुलाई को आ रही सुनामी की खबर ने पूरे इलाके में खलबली मचा दी है। हालांकि वैज्ञानिक और प्रशासन सतर्क हैं, लेकिन मंगा कलाकार रियो तात्सुकी की भविष्यवाणी और लगातार भूकंपों की आवृत्ति ने लोगों के दिलों में भय बैठा दिया है। आने वाले दिनों में सरकार और विशेषज्ञों की ओर से स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। लोगों से अपील की गई है कि वे किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहें और अफवाहों से बचकर आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें।

हर उम्र में जवां दिखने का राज हैं ये 5 एंटी- एजिंग फूड

आजकल की बदलती जीवनशैली, तनाव, खराब खानपान और प्रदूषण का सबसे पहला असर हमारी स्किन यानी त्वचा पर नजर आता है। कम उम्र में ही झुर्रियां, रूखापन, ढीलापन और स्किन का ग्लो खत्म होना अब आम बात हो गई है। अब तो लोग बढ़ती उम्र में भी यही चाहते हैं कि उनकी स्किन जवां और चमकदार दिखे, खासकर सेलिब्रिटीज। हाल ही में दुनिया को अलविदा कहने वाली एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला को लेकर खबरें हैं कि वह एंटी–एजिंग ट्रीटमेंट ले रही थीं। ऐसे ट्रीटमेंट और महंगे स्किन प्रोडक्ट्स कई बार आपकी हेल्थ पर बुरा असर भी डाल सकते हैं। अगर आप बिना किसी साइड इफेक्ट के जवां दिखना चाहते हैं, तो कुछ नेचुरल फूड्स आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। ये फूड्स शरीर को अंदर से पोषण देकर न सिर्फ झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम करते हैं, बल्कि स्किन को टाइट, ग्लोइंग और यंग भी बनाए रखते हैं। खास बात ये है कि ये फूड्स आसानी से आपकी डेली डाइट का हिस्सा भी बन सकते हैं।

रिसर्च क्या कहती है?

हेल्थलाइन के मुताबिक, जैसे–जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारे खानपान का असर सीधे हमारे स्वास्थ्य, रूप, और जीवन की गुणवत्ता पर पड़ता है। हमारा शरीर अलग–अलग पोषक तत्वों पर निर्भर करता है जो बढ़ती उम्र के असर को धीमा करने में मदद करते हैं। यह जरूरी है कि हम समझें कि सिर्फ एक–दो चीजें खाने से तुरंत फर्क नहीं दिखेगा। लेकिन अगर हम अपने खानपान में सही चीजें शामिल करें, तो उम्र बढ़ने के बावजूद फिट और फ्रेश दिख सकते हैं। जानिए वो 5 सुपरफूड्स जो आपकी स्किन को जवां बनाए रख सकते हैं

डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट में फ्लावोनोल्स होते हैं जो स्किन के लिए बहुत फायदेमंद हैं। ये ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाते हैं और स्किन की क्वालिटी सुधारते हैं। ये स्किन को यूपी डैमेज से भी बचाते हैं और मूड को बेहतर करते हैं। इसे सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए क्योंकि इसमें शुगर और फैट भी होता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में कैटेचिन्स जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। ये शरीर की सूजन को कम करते हैं और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाते हैं। ग्रीन टी स्किन की एजिंग प्रोसेस को धीमा करती है। रोजाना 1–2 कप ग्रीन टी पीने से शरीर डिटॉक्स होता है और दिमाग एक्टिव रहता है।

फैटी फिश (जैसे सैल्मन)

फैटी फिश में होता है ओमेगा–3 फैटी एसिड, जो दिल और दिमाग दोनों के लिए फायदेमंद है। यह स्किन को मॉइस्चराइज रखता है और बालों को मजबूत बनाता है। नियमित रूप से इसका सेवन स्किन को जवां और हेल्दी बनाए रखता है।

ब्लूबेरी

ब्लूबेरी में मौजूद एंथोसायनिन्स शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। ये शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करते हैं। ब्लूबेरी से ब्रेन फंक्शन बेहतर रहता है और याददाश्त मजबूत होती है। इसका रोजाना सेवन स्किन को ग्लोइंग और हेल्दी बनाता है।

नट्स (बादाम, अखरोट, काजू)

नट्स में होते हैं हेल्दी फैट्स, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन म और जिंक। ये स्किन को अंदर से पोषण देते हैं और झुर्रियों को कम करते हैं। यह दिल की बीमारियों से भी बचाते हैं और वजन को कंट्रोल में रखते हैं। दिन में मुट्ठी भर नट्स खाने से स्किन यंग और चमकदार रहती है।

अगर आप लंबे समय तक स्वस्थ और जवां दिखना चाहते हैं तो महंगे ट्रीटमेंट्स की जगह पोषक तत्वों से भरपूर डाइट अपनाएं। ये 5 सुपरफूड्स आपकी स्किन को प्राकृतिक रूप से यंग और हेल्दी बनाए रखने में मदद कर सकते हैं वो भी बिना किसी साइड इफेक्ट के।

वेट वाइप्स का इस्तेमाल करते समय भूलकर न करें ये गलतियां, वरना स्किन को हो सकता है नुकसान

वेट वाइप्स का इस्तेमाल करते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि इसके इस्तेमाल करते समय अगर आप गलतियां करती हैं, तो स्किन एलर्जी, मुंहासे और जलन समेत कई परेशानियां हो सकती हैं।

फेस पर जमी धूल–मिट्टी, पसीना और मेकअप को हटाने के लिए कई महिलाएं वेट वाइप्स का इस्तेमाल करती हैं। इसकी मदद से एक झटके में फेस पर जमी गंदगी साफ हो जाती है और चेहरा भी फ्रेश नजर आता है। वेट वाइप्स का इस्तेमाल करते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि इसके इस्तेमाल करते समय अगर आप गलतियां करती हैं, तो स्किन एलर्जी, मुंहासे और जलन समेत कई परेशानियां हो सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको वेट वाइप्स के इस्तेमाल के सही तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी बताएंगे कि इनका इस्तेमाल करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

न रगड़ें फेस

कई महिलाएं वेट वाइप्स का इस्तेमाल करने के दौरान फेस को साफ करने और मेकअप को हटाने के लिए रगड़ती हैं। ऐसा करने से स्किन को नुकसान हो सकता है और जलन की समस्या हो सकती है। इसका इस्तेमाल हमेशा हल्के हाथों से करना चाहिए।

चेहरे को करें वॉश

वेट वाइप्स का इस्तेमाल करने के बाद फेस को अच्छे से क्लीन करना जरूरी है। क्योंकि यह फेस की ऊपरी गंदगी और मेकअप को साफ करता है। इसलिए इसका इस्तेमाल करने के बाद फेस को किसी माइल्ड क्लींजर या फिर फेस वॉस की सहायता से अच्छे से धोएं। इसका इस्तेमाल तभी करें, जब फेस को साफ करना जरूरी हो।

सील बंद वाइप्स का इस्तेमाल

खुले हुए वाइप्स का इस्तेमाल करने से स्किन को नुकसान हो सकता है। क्योंकि खुले वाइप्स में बैक्टीरिया पनप सकते हैं और इसकी वजह से स्किन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। वहीं खुले वाइप्स सूख जाते हैं, जिस वजह से स्किन को नुकसान हो सकता है।

वेट वाइप्स के पैक को हमेशा बंद रखना चाहिए और पैक को सील बंद कर लें।

न इस्तेमाल करें ये वाइप्स

अल्कोहल फ्री वाइप्स का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे आपकी त्वचा को किसी तरह का नुकसान न हो।

वहीं खुशबू वाले वाइप्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। क्योंकि इसमें केमिकल कम होता है और स्किन पर एलर्जी, जलन और रेडनेस की समस्या हो सकती है।

संक्षिप्त

पतंजलि को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका, डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ अपमानजनक विज्ञापन प्रसारित करने पर रोक

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को पतंजलि को डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ अपमानजनक विज्ञापन चलाने से रोक दिया। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा ने डाबर की याचिका पर अंतरिम निषेधाज्ञा जारी की। याचिका में आरोप लगाया गया था कि पतंजलि स्पेशल च्यवनप्राश विशेष रूप से डाबर च्यवनप्राश और सामान्य रूप से च्यवनप्राश का अपमान कर रहा है। पतंजलि के विज्ञापन में दावा किया गया है कि षकिसी अन्य निर्माता को च्यवनप्राश तैयार करने का ज्ञान नहीं है– जो सामान्य अपमान है। याचिका में दावा किया गया है, इसके अलावा, विज्ञापनों में (आयुर्वेदिक औषधि/दवा के संबंध में) गलत और भ्रामक बयान दिए गए हैं। इसमें डाबर च्यवनप्राश के साथ अपमानजनक तुलना की गई है। डाबर की ओर से अधिवक्ता जवाहर लाला और मेघना कुमार उपस्थित हुए। याचिका में आगे दावा किया गया कि विज्ञापन में अन्य सभी च्यवनप्राश के संबंध में साधारण उपसर्ग का प्रयोग किया गया है, जो दर्शाता है कि वे निम्न हैं। विज्ञापन में यह भी षालतष दावा किया गया कि अन्य सभी निर्माताओं को आयुर्वेदिक ग्रंथों और च्यवनप्राश तैयार करने के लिए इस्तेमाल किए गए फार्मूले के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इस मामले में अदालत ने अगली सुनवाई 14 जुलाई को तय की है।

शरबत विवाद में भी पतंजलि की हो चुकी है किरकिरी

दिल्ली हाईकोर्ट इससे पहले बाबा रामदेव के हमदर्द कंपनी के शरबत पर श्शरबत जिहादश वाली विवादित टिप्पणी मामले पर नाराजगी जाहिर कर चुका है। कोर्ट ने रामदेव को हमदर्द के उत्पादों के बारे में कोई भी बयान जारी करने से मना किया था। बीते एक मई को दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में टिप्पणी करते हुए कहा था कि योग गुरु बाबा रामदेव किसी के नियंत्रण में नहीं हैं और अपनी ही दुनिया में रहते हैं। रामदेव को शरबत जिहाद बयान पर प्रथम दृष्टया कोर्ट के आदेश की अवमानना का दोषी पाया। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने रामदेव को हमदर्द के उत्पादों के बारे में भविष्य में कोई बयान जारी न करने या वीडियो साझा न करने का आदेश दिया था।

अप्रैल–जून तिमाही में विदेशी फंड प्रवाह घटा, रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश 33 प्रतिशत लुढ़का

नई दिल्ली। वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते अप्रैल–जून 2025 के दौरान भारत में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश में गिरावट आई है। इसका मतलब है कि देश में रियल एस्टेट सेक्टर (जैसे मॉल, ऑफिस, हाउसिंग प्रोजेक्ट्स आदि) में बड़े वित्तीय संस्थानों द्वारा किया जाने वाला निवेश पहले की तुलना में कम हो गया है। रियल एस्टेट परामर्शदाता कोलियर्स की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल–जून 2025 में संस्थागत निवेश 33 प्रतिशत घटकर 1.69 अरब डॉलर रह गया। पिछले साल इसी अवधि में यह 2.53 अरब था। इस गिरावट की मुख्य वजह विदेशी फंडिंग में लगभग 50 प्रतिशत की कमी रही, जो 2,046.8 मिलियन डॉलर से घटकर 1,048.4 मिलियन डॉलर रह गई। हालांकि, घरेलू निवेशकों ने बाजार में भरोसा जताया और अप्रैल–जून तिमाही में 32 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 642.8 मिलियन डॉलर का निवेश किया। यह पिछले साल की समान अवधि में 486.5 मिलियन डॉलर था। कोलियर्स इंडिया के सीईओ, बादल याग्निक ने कहा कि घरेलू पूंजी अब भारत के रियल एस्टेट निवेश में एक प्रमुख चालक बनकर उभरी है। 2021 में कुल निवेश में इसकी हिस्सेदारी 16 प्रतिशत थी। यह 2024 में बढ़कर 34 प्रतिशत हो गई। उन्होंने यह भी बताया कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद 2025 की पहली छमाही में घरेलू निवेश का हिस्सा कुल निवेश का 48 प्रतिशत रहा। इससे कुल निवेश 3 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच सका। आंकड़ों के अनुसार, जनवरी–जून 2025 के दौरान कुल संस्थागत निवेश 15 प्रतिशत घटकर 2,998.10 मिलियन अमरीकी डॉलर रहा। यह एक साल पहले इसी अवधि में 3,528.50 मिलियन अमरीकी डॉलर था। इस दौरान विदेशी निवेश 1,570.6 मिलियन डॉलर रहा, जो पिछले साल के 2,593.8 मिलियन डॉलर से काफी कम है। वैश्विक निवेशक उभरते व्यापक आर्थिक परिदृश्यों, ऋण प्रवाह और महंगाई के दबावों के बीच सतर्क बने हुए हैं। इसके विपरीत, घरेलू निवेशकों ने 1,427.5 मिलियन डॉलर का निवेश किया, जो कि 2024 की पहली छमाही के 934.7 मिलियन डॉलर की तुलना में 53 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में बताया गया है कि संस्थागत निवेश में फंडिंग के स्रोतों में फैमिली ऑफिसेज, विदेशी कंपनियां, विदेशी बैंक, पेंशन फंड्स, निजी इक्विटी, रियल एस्टेट डेवलपर्स फंड, विदेशी एनबीएफसी, सूचीबद्ध रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (त्म्प्ज) और संप्रभु संपत्ति कोष शामिल हैं।

यूएस–वियतनाम व्यापार समझौते से सबक ले सकता है भारत, जीटीआरआई की रिपोर्ट में अहम संकेत

वॉशिंगटन। हाल ही में अमेरिका और वियतनाम के बीच व्यापार समझौता हुआ है। इस व्यापार समझौते से भारत कई सबक सीख सकता है। खासकर भारतीय निर्यातकों पर इसका गहरा असर हो सकता है। भारत, वियतनाम को निर्यात के मामले में प्रतिद्वंदी और क्षेत्रीय सहयोगी दोनों मानता है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट में यह बताया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका और वियतनाम में जब साल 2000 में व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसके बाद वियतनाम के उत्पाद अमेरिका में सिर्फ 2 से 10 प्रतिशत टैरिफ पर आने लगे। अब ट्रंप प्रशासन ने नई डील में वियतनामी उत्पादों के अमेरिका में आने पर 20 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का फैसला किया है। अमेरिका के इस कदम से वियतनाम का निर्यात बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है। जीटीआरआई ने कहा कि भारतीय निर्यातकों को भी इससे सबक लेना चाहिए।

एजबेस्टन में शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान हैं शुभमन, अजहरुद्दीन के साथ इस सूची में हुए शामिल

एजबेस्टन। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन में जारी है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट गंवाकर 310 रन बना लिए हैं। कप्तान शुभमन गिल 114 रन और रवींद्र जडेजा 41 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच अब तक नाबाद 99 रन की साझेदारी हो चुकी है। गिल ने इंग्लैंड में लगातार दूसरे टेस्ट में शतक जड़ा। यह उनका बतौर कप्तान दूसरा और टेस्ट में सातवां शतक रहा। ससे पहले उनका रिकॉर्ड इंग्लैंड में कुछ खास नहीं था, लेकिन इस दौरे पर जिम्मेदारी आने के बाद से उनमें गजब का बदलाव देखने को मिला है। वह एजबेस्टन के मैदान पर शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान हैं। नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए आने के बाद से उन्होंने इस बैटिंग पोजिशन को किंग विराट कोहली की तरह अपना बना लिया है। इतना ही नहीं गिल इंग्लैंड में लगातार दो टेस्ट में शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान भी बन गए हैं। एजबेस्टन में शतक लगाने वाले भारतीयों में अब गिल का नाम भी जुड़ चुका है। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा ने ऐसा किया था। सचिन और कोहली अब टेस्ट में नहीं खेलते हैं, जबकि पंत और जडेजा इस बार भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। सचिन ने 1996 में इस मैदान पर 122 रन की पारी खेली थी, जबकि विराट ने 2018 में यहां 149 रन बनाए थे। वहीं, 2022 में भारत की ओर से इस मैदान पर दो–दो शतक लगे थे। पंत ने 146 रन और जडेजा ने 104 रन की पारी खेली थी। हालांकि, इनमें से सिर्फ कोहली और गिल ने ही भारतीय टीम की कप्तानी संभालते हुए शतक लगाया है। बाकियों ने सिर्फ एक खिलाड़ी के तौर पर शतक लगाया था।

वहीं, गिल इंग्लैंड में लगातार दो टेस्ट में शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान भी हैं। गिल ने एजबेस्टन से पहले लीड्स में 147 रन की पारी खेली थी। उनसे पहले साल 1990 में कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने इंग्लैंड दौरे पर लॉर्ड्स टेस्ट में 121 रन की पारी खेली थी। इसके बाद मैनचेस्टर में खेले गए अगले टेस्ट में उन्होंने 179 रन बनाए थे। प्रिंस के नाम से मशहूर गिल किंग कोहली के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। बतौर कप्तान उनकी पहली तीन पारी 147 रन, 8 रन और 114′ रन की रही है। वहीं, कोहली की बतौर कप्तान पहली तीन पारी 115 रन, 141 रन और 147 रन की रही थी। दोनों के बीच काफी समानताएं देखने को मिल रही हैं। गिल ने बतौर कप्तान अपने पहले ही मैच (लीड्स में) की पहली पारी में शतक जड़ दिया। किंग कोहली ने भी 2014 में ऐसा किया था। उन्होंने तब पहली पारी में 115 रन बनाने के अलावा दूसरी पारी में भी 141 रन बनाए थे। गिल ने नंबर चार पर अपनी पहली ही पारी में शतक जड़ दिया। कोहली ने भी 2013 में ऐसा ही किया था। 2013 में दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले कोहली ने कभी नंबर चार पर बल्लेबाजी नहीं की थी। वांडरर्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नंबर चार पर डेब्यू करते हुए कोहली ने अपनी पहली ही पारी में 119 रन बनाए थे।

खिलाड़ी	स्कोर	गेंद	साल
सचिन तेंदुलकर	122	177	1996
विराट कोहली	149	225	2018
ऋषभ पंत	146	111	2022
रवींद्र जडेजा	104	194	2022
शुभमन गिल	114*	216	2025

इंग्लैंड में लगातार टेस्ट मैचों में शतक बनाने वाले भारतीय कप्तान

खिलाड़ी	स्थान (साल)	पारी
मोहम्मद अजहरुद्दीन	लॉर्ड्स, 1990	121 रन
मैनचेस्टर,	1990	179 रन
शुभमन गिल	लीड्स, 2025	147 रन
एजबेस्टन,	2025	114* रन

वैभव के तूफान में उड़ा इंग्लैंड, छक्कों की बारिश की, शतक से चूके पर बना दिया महा–रिकॉर्ड

नॉर्थेम्पटन। एक तरफ जहां एजबेस्टन में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच जारी है, वहीं दूसरी तरफ बुधवार को भारतीय अंडर–19 और इंग्लैंड अंडर–19 टीम के बीच वनडे मुकाबला भी खेला गया। हालांकि, इंग्लैंड की टीम पर भारत के 14 साल के वैभव सूर्यवंशी कहर बनकर टूटे। उन्होंने एक ऐसी पारी खेली, जिसका इंग्लिश टीम के पास कोई जवाब नहीं था। वह शतक से चूक गए, लेकिन छक्कों की बारिश से उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह अंडर–19 यूथ वनडे के किसी एक मैच की पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बन गए। आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 2–1 की बढ़त बना ली है। अगला मुकाबला पांच जुलाई को वॉर्सेस्टर में खेला जाएगा।

वैभव ने 31 गेंद में 86 रन बनाए

दरअसल, बारिश की वजह से मैच को 40–40 ओवर का कर दिया गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 40 ओवर में छह विकेट पर 268 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने 34.3 ओवर में छह विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। वैभव ने 31 गेंद में 86 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके और नौ छक्के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 277.42 का रहा। वैभव शतक से चूक गए। उन्हें एलेक्जेंडर वेड ने जोसेफ मूर्स के हाथों कैच कराया। हालांकि, नौ छक्के लगाते ही वैभव के नाम रिकॉर्ड जुड़ गया। अंडर–19 यूथ वनडे के किसी एक मैच की पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का भारतीय रिकॉर्ड वैभव से पहले राज बावा के नाम था। उन्होंने 2022 में युगांडा के खिलाफ ऐसा किया था।

वैभव अब तक इस दौरे पर तीन पारियों में 59.67 की औसत और 213.10 के स्ट्राइक रेट से 179 रन बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 14 चौके और 17 छक्के लगाए हैं। वैभव फिलहाल थॉमस रियू के बाद इस दौरे पर सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में दूसरे नंबर पर हैं। रियू ने तीन पारियों में 212 रन बनाए हैं। वैभव ने दौरे के पहले मैच में 19 गेंद में तीन चौके और पांच छक्के की मदद से 48 रन की पारी खेली थी।

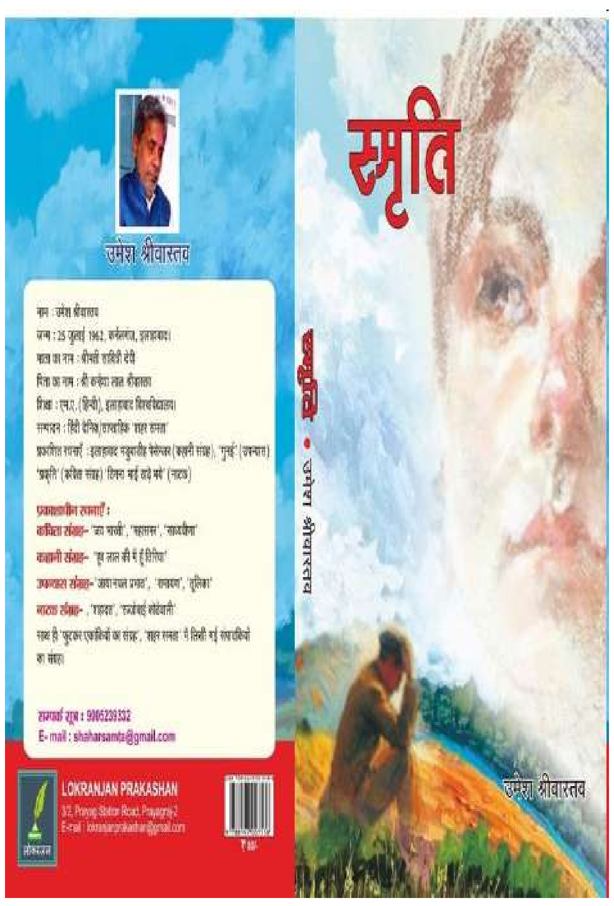

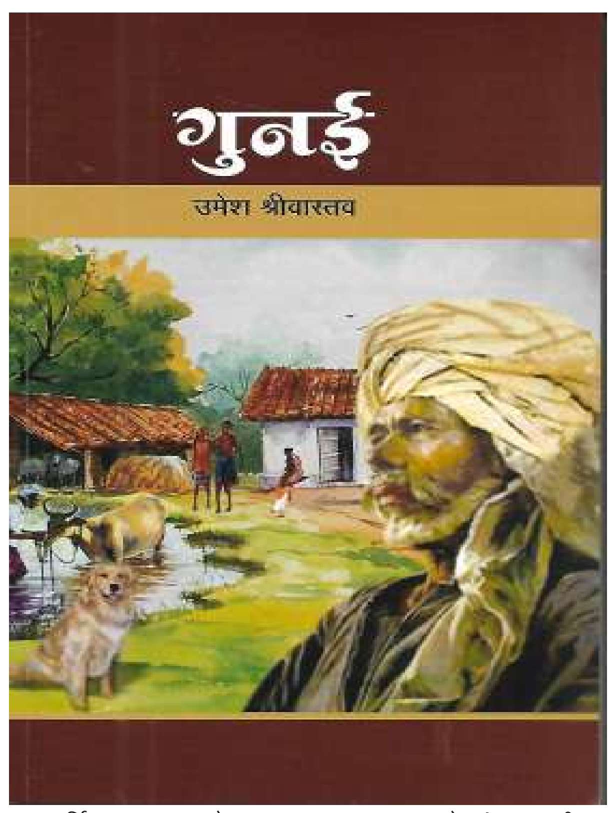

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

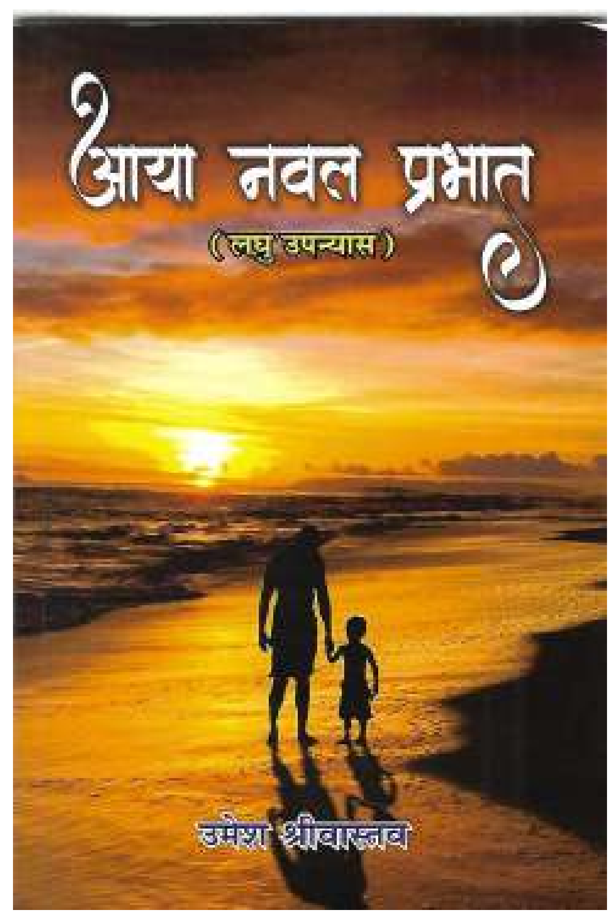

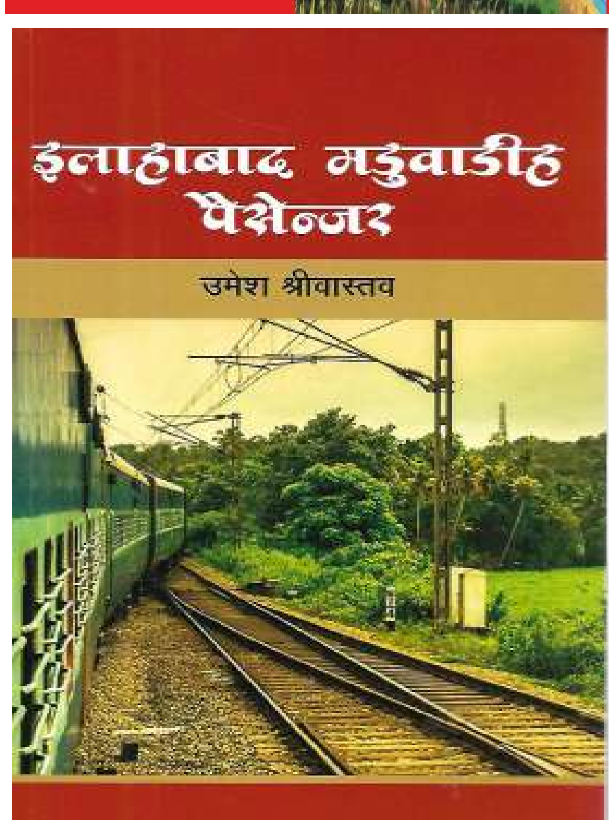

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

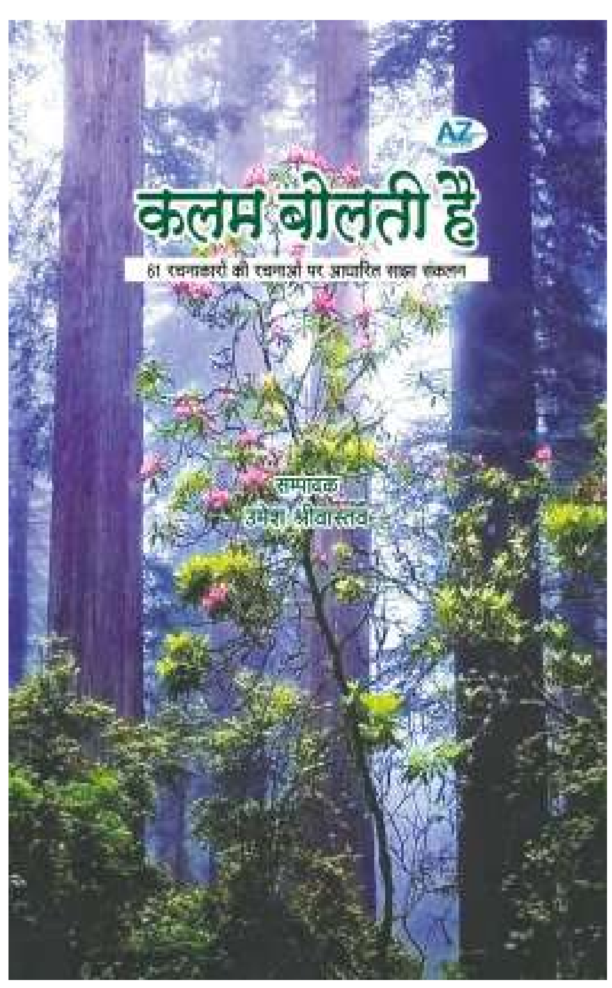

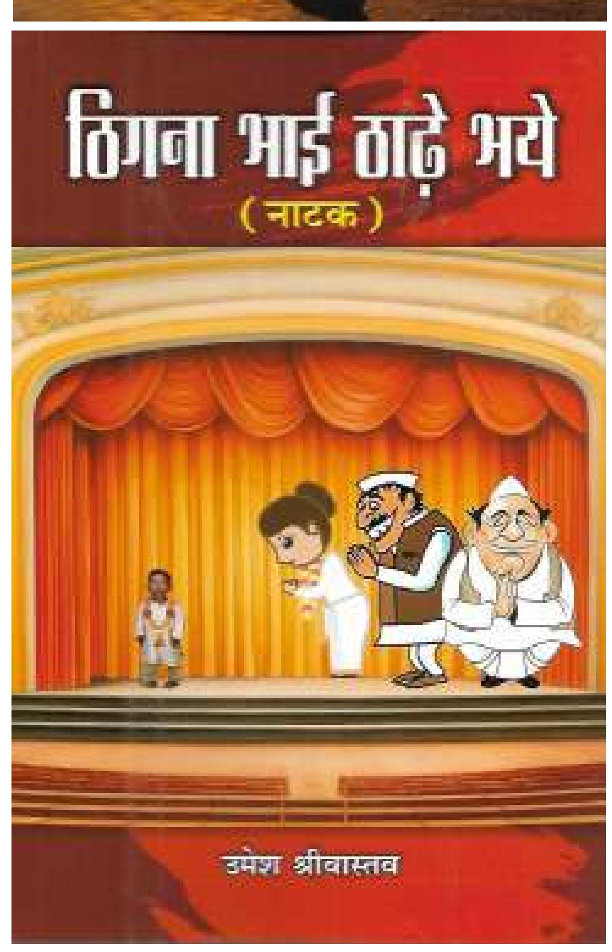

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

इमरान खान को प्रतिदिन 22 घंटे एकांत कारावास में रखा जा रहा : पार्टी का दावा

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल नियमों और मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन करते हुए प्रतिदिन कम से कम 22 घंटे एकांत कारावास में रखा जा रहा है। उनकी पार्टी ने बुधवार को यह दावा किया। क्रिकेटर से राजनीति में आए 72 वर्षीय खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मूनिस इलाही ने यहां एक बयान में कहा,

पीटीआई के मुख्य संरक्षक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को कम से कम 22 घंटे एकांत कारावास में रखा जा रहा है और उनकी आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मूनिस ने कहा कि खान को पर्याप्त भोजन और चिकित्सा देखभाल नहीं मिल पा रही है, तथा उनके वजन में काफी कमी आने की भी चिंताजनक खबरें हैं। उन्होंने मांग की, उनके मौलिक अधिकारों के इस घोर उल्लंघन का संबंधित प्राधिकारियों द्वारा तत्काल समाधान किया जाना चाहिए। पीटीआई के एक अन्य नेता जुल्फी बुखारी ने कहा कि खान को प्रतिदिन 22–23 घंटे एकांत कारावास में रखा जा रहा है, जो सभी जेल नियमों और मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है। बुखारी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का वजन कम हो गया है और उनके साथ इस स्तर का अमानवीय व्यवहार अस्वीकार्य और गैरकानूनी है। उन्होंने मांग की, हमें अपनी आवाज उठानी चाहिए और तत्काल कार्रवाई की मांग करनी चाहिए। उनके निजी डॉक्टरों को बिना देरी किए उनकी जांच करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

इंडोनेशिया में बाली के पास नौका डूबी; चार लोगों की मौत, 38 अन्य लापता

इंडोनेशिया के रिसॉर्ट द्वीप बाली के निकट एक नौका के डूब जाने से चार लोगों की मौत हो गई और 38 अन्य लोग लापता हैं। सुराबाया खोज एवं बचाव एजेंसी ने बताया कि बचावकर्मियों ने नौका में सवार 23 अन्य लोगों को बचा लिया। राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी ने एक बयान में बताया कि

'केएमपी टुनु प्रतामा जया' नौका बुधवार देर रात पूर्वी जावा के केतापांग बंदरगाह से रवाना होने के लगभग आधे घंटे बाद डूब गई। यह नौका 50 किलोमीटर की यात्रा करके बाली के गिलिमनुक बंदरगाह जा रही थी। उसने बताया कि नौका में 53 यात्री, चालक दल के 12 सदस्य और 14 ट्रक सहित 22 वाहन थे। बन्यूवांगी के पुलिस प्रमुख रामा समतामा पुत्रा ने बताया कि बचाए गए लोगों में से कई लोग पानी में घंटों तक बहते रहने के कारण बेहोश हो गए। लापता लोगों की तलाश के लिए नौ नौकाओं को तैनात किया गया है।

विभाजन की आग को हवा दे रहे ट्रंप, जोहरान ममदानी की दो टूक– अपना काम बंद नहीं करूंगा

न्यूयॉर्क के भारतीय मूल के मेयर पद के उम्मीदवार ज़ोहरान ममदानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर पलटवार किया है। ट्रम्प ने उन्हें निर्वासित करने की धमकी दी थी। अब ममदानी ने राष्ट्रपति को हताश बताया है। ममदानी ने ट्रम्प पर लोगों को विभाजित करने और कामकाजी वर्ग के अमेरिकियों की मदद करने में अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए व्यक्तिगत हमलों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। एक्स पर पोस्ट

किए गए एक वीडियो में ममदानी ने पीछे न हटने की कसम खाई और कहा कि वह असहमति को दबाने के रिपब्लिकन प्रयासों के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। ममदानी ने न्यूयॉर्क में एक रैली के दौरान कहा कि कल, डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि मुझे गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे निर्वासित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे नागरिकता से वंचित किया जाना चाहिए। वह ये बातें सिर्फ़ इसलिए नहीं कह रहे हैं क्योंकि मैं कौन हूँ – एक संभावित पहला अप्रवासी मेयर, पहला मुस्लिम और इस शहर का पहला दक्षिण एशियाई मेयर – बल्कि इसलिए भी क्योंकि वह उस बात से ध्यान हटाना चाहते हैं जिसके लिए मैं लड़ता हूँ। मैं कामकाजी लोगों के लिए लड़ता हूँ।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

500% टैरिफ जैसी धमकियों से नहीं डरता भारत, अमेरिका में घुसकर जयशंकर ने किया साफ, तेल तो रूस से ही लेंगे!

टैरिफ का बुखार सिर्फ ट्रंप को नहीं बल्कि पूरे अमेरिका को चढ़ चुका है। इस समय यूएस कांग्रेस में एक ऐसी कोशिश को अंजाम देने के लिए तैयारियां हो चुकी हैं, जिसमें भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा शामिल है। भारत जिस तरह से पिछले कई सालों से रूस से तेल खरीद रहा है। ये बात अमेरिका को बुरी तरह खटक रही है और यही कारण है कि भारत के खिलाफ जाकर इस समय यूएस कांग्रेस में इसके खिलाफ बिल लाया जा रहा है। बिल में प्रस्ताव है कि ऐसे देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाए जो रूस सके तेल खरीद रहे हैं। अब इसे लेकर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से सवाल पूछा गया। जिसके जवाब में विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने अपना स्टैंड क्लीयर कर दिया कि अगर पुल तक

पहुंचे तो पुल को पार भी करना पड़ेगा। यानी मतलब साफ है कि भारत अपने निजी हितों को ध्यान में रखते हुए ही फैसला करेगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस से तेल आयात पर अमेरिका द्वारा प्रस्तावित 500 प्रतिशत प्रति बैरल टैरिफ बिल को लेकर कहा है कि भारत इस पर तब विचार करेगा जब ये स्थिति वास्तव में उत्पन्न होगी। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि नई दिल्ली अमेरिकी कांग्रेस में पेश किए गए तथाकथित रूस प्रतिबंध विधेयक से संबंधित चिंताओं पर अमेरिकी सांसदों के साथ बातचीत कर रही है। इस विधेयक में रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रावधान है, जो संभवतः चीन और भारत जैसे देशों को लक्षित करता है। हम सीनेटर लिंडसे ग्राहम के संपर्क में हैं। दूतावास, राजदूत संपर्क में हैं। जयशंकर ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि हमारी चिंताएं और हित, विशेष रूप से ऊर्जा और सुरक्षा पर, उन्हें बता दिए गए हैं। विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वे विधेयक के प्रभाव का मूल्यांकन तब करेंगे जब यह कार्यान्वयन योग्य हो जाएगा, उन्होंने प्रतीक्षा करो और देखो दृष्टिकोण का संकेत दिया। जयशंकर का बयान ऐसे समय में आया जब अमेरिकी सांसदों ने रूस की ऊर्जा आय पर रोक लगाने के उद्देश्य से ये विधेयक प्रस्तुत किया है। जयशंकर ने स्पष्ट किया है कि भारत की प्राथमिकता उसकी ऊर्जा सुरक्षा है। उसके निर्णय पूरी तरह से राष्ट्रीय हितों पर आधारित होते हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो के बीच वार्ता के दौरान व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भारत–अमेरिका सहयोग को प्रगाढ़ करने के तरीकों पर प्रमुखता से चर्चा हुई। जयशंकर ने अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट के साथ अलग–अलग द्विपक्षीय वार्ता भी की। ये बैठकें क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन से इतर हुईं। मई में भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले सैन्य संघर्ष के बाद, जयशंकर और रुबियो की यह पहली बैठक थी। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि व्यापार, सुरक्षा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, संपर्क और ऊर्जा सहित हमारी द्विपक्षीय साझेदारी पर चर्चा की। क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर दृष्टिकोण साझा किए।

एक वायरल फोन कॉल ने छिनवा दी शिनावात्रा की कुर्सी, थाईलैंड को 24 घंटे के लिए मिल गया नया पीएम

थाईलैंड के नवगठित मंत्रिमंडल के सदस्यों ने शपथ ग्रहण की, जिनमें निलंबित प्रधानमंत्री पैटोंगटर्न शिनावात्रा भी शामिल थीं। शिनावात्रा एक वरिष्ठ कम्बोडियाई नेता से की गई टिप्पणियों को लेकर फिलहाल जांच का सामना कर रही हैं। पैटोंगटर्न शिनावात्रा को प्रधानमंत्री पद से निलंबित किया गया था और थाईलैंड नरेश ने उसी दिन नए मंत्रिमंडल की मंजूरी दी, जिसमें शिनावात्रा को संस्कृति मंत्री के रूप में नामित किया गया। कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुरिया जुंगरुंगरियांगकित ने नए मंत्रियों का नेतृत्व करते हुए थाईलैंड नरेश महा वजीरालोंगकोर्न से औपचारिक अनुमोदन प्राप्त किया।

क्या है पूरा मामला

थाईलैंड की पीएम पेतोंगतार्न शिनावात्रा और कम्बोडिया के पूर्व पीएम हुन सेन के बीच

फोन पर बात हुई। 17 मिनट की बातचीत की 9 मिनट की कॉल रिकार्डिंग लीक हो गई या कर दी गई। जिसकी वजह से बाद थाईलैंड में राजनीतिक संकट गहरा गया है। पेतोंगतार्न की कुर्सी खतरे में है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फोन कॉल पर पेतोंगतार्न भी हुन सेन को अंकल कहकर संबोधित कर रही हैं। थाइलैंड की सेना के लेफ्टिनेंट जनरल की बुराई कर रही हैं। एक ऐसे देश के फौजी की बुराई जहां पर सेना के पास सत्ता की असल चाबी है। कॉल में शिनावात्रा ने सेना के जनरल बून्सिन पड़क्लांग की आलोचना करते हुए उन्हें श्कूल दिखने वालाश कहा और मजाक में खुद को श्कम्बोडिया का पीएम बनने योग्यश बताया।

पैटोंगटार्न शिनावात्रा कौन हैं?

38 साल की पैटोंगटार्न अरबपति थाकसिन शिनावात्रा की सबसे छोटी बेटी हैं। उन्होंने 2001 से अधिकांश थाई चुनावों पर अपना दबदबा बनाए रखा है। पैटोंगटार्न सत्तारूढ़ फेउ थाई पार्टी की नेता हैं, जिसे पहले लोकतंत्र समर्थक पार्टी के रूप में जाना जाता था। वह अगस्त 2024 से थाईलैंड की प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत हैं, और इस प्रतिष्ठित पद पर आसीन होने वाली केवल दूसरी महिला हैं। अपदस्थ प्रधानमंत्री के पास थाईलैंड के प्रतिष्ठित चूललोंगकोर्न विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान की डिग्री और ब्रिटेन के सरे विश्वविद्यालय से अंतरराष्ट्रीय होटल प्रबंधन में मास्टर डिग्री है। 17 साल की उम्र में तब सुर्खियों में आईं जब उनके पिता ने खुलासा किया कि वह विश्वविद्यालय जाने से पहले स्कूल की छुट्टियों के दौरान बैंकॉक में मैकडॉनल्ड्स में अंशकालिक काम करेंगी।

मार्क जुकरबर्ग को बीच मीटिंग में ट्रंप ने अपने ऑफिस से बाहर निकलवाया ? क्या है ओवल ऑफिस की पूरी सच्चाई

टेस्ला और एक्स के बॉस एलन मस्क के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लड़ाई से तो पूरी दुनिया वाकिफ हो चुकी है। दोनों एक दूसरे पर खुलकर वार करने भी लगे हैं। लेकिन अब मार्क जुकरबर्ग को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस से बाहर निकाले जाने की खबर ने खलबली मचा दी है। मीडिया

रिपोर्ट में दावा किया गया कि मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस से बाहर जाने के लिए कहा गया, क्योंकि वे अप्रत्याशित रूप से पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और शीर्ष सैन्य अधिकारियों के बीच एक बैठक में शामिल हो गए थे। यह घटना, जो कथित तौर पर वायु सेना के अगली पीढ़ी के लड़ाकू जेट प्लेटफॉर्म पर चर्चा के दौरान हुई, ने कुछ अधिकारियों को ष्हैरानष कर दिया, क्योंकि जुकरबर्ग के पास आवश्यक सुरक्षा मंजूरी नहीं थी। एनबीसी रिपोर्ट में उद्धृत सूत्रों के अनुसार, कमरे में मौजूद अधिकारी घुसपैठ से ष्हैरान और थोड़े घबराए हुएष थे। उनमें से एक ने कथित तौर पर इस अनुभव को षविचित्र दुनियाष जैसा बताया। जुकरबर्ग को बाहर इंतजार करने के लिए कहा गया ताकि बैठक आगे बढ़ सके।

व्हाइट हाउस ने दावों को नकारा

हालाँकि, व्हाइट हाउस से एक विरोधाभासी विवरण सामने आया है। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ अधिकारी ने उन दावों को खारिज कर दिया कि जुकरबर्ग को बैठक से बाहर निकाल दिया गया था, उन्होंने रिपोर्ट को घटनाओं का गलत वर्णन करार दिया है। अधिकारी के अनुसार, जुकरबर्ग राष्ट्रपति के अनुरोध पर नमस्ते कहने के लिए आए और फिर च्व्ज्ै के साथ अपनी बैठक शुरू होने का इंतज़ार करने के लिए चले गए, जो पायलटों के साथ बैठक के बाद होने वाली थी।

जुकरबर्ग की राजनीतिक अंतर्धाराएँ

मार्क जुकरबर्ग का अमेरिकी राजनीति से रिश्ता जटिल रहा है। उन्होंने पहले उदारवादी कारणों का समर्थन किया है, जिसमें आव्रजन समर्थक नीतियां और डेमोक्रेटिक राजनेता शामिल हैं। हालाँकि, हाल के वर्षों में उन्होंने रिपब्लिकन "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" (ड।ळ।) एजेंडे के साथ खुद को कनेक्ट किया है, खासकर ट्रम्प के फिर से चुनाव अभियान के दौरान।

मुनीर की धमकी, शहबाज की गुजारिश, सिंधु जल संधि पर भारत के ऐक्शन से पाकिस्तान में बढ़ा खौफ

पिछले सप्ताह स्थायी मध्यस्थता न्यायालय द्वारा अपने पक्ष में दिए गए फैसले के बाद, पाकिस्तान अब भारत से द्विपक्षीय जल–बंटवारे संधि के कार्यान्वयन को फिर से शुरू करने का आह्वान कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि फैसले से इस्लामाबाद की कानूनी स्थिति मजबूत हुई है, लेकिन नई दिल्ली द्वारा संधि का पालन करने की संभावना नहीं है। 65 साल पुरानी सिंधु जल संधि पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों के पानी पर अधिकार देती है, जबकि भारत को रावी, सतलुज और ब्यास नदियों पर नियंत्रण प्रदान करती है। अप्रैल के महीने में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमले के जवाब में भारत ने सिंधु जल संधि को निरस्त करने की घोषणा कर दी थी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने गीदड़भभकी देते हुए कहा कि इस्लामाबाद दक्षिण एशिया में किसी भी तरह के भारतीय प्रभुत्व को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करेगा। विश्वविद्यालय के अधिकारियों और शिक्षकों से बात करते हुए मुनीर ने कहा कि भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करना एक बुनियादी सीमा को पार करना है जिसे पाकिस्तान बर्दाश्त नहीं कर सकता। सैन्य नेता की यह टिप्पणी दोनों देशों द्वारा कई दिनों तक चले भीषण सैन्य टकराव के बाद युद्ध विराम लागू करने के कुछ सप्ताह बाद आई है। मुनीर ने इस बात पर जोर दिया कि जल अधिकारों पर पाकिस्तान की स्थिति एक ऐसे सिद्धांत का प्रतिनिधित्व करती है जो देश के 240 मिलियन नागरिकों की जीवन–यापन संबंधी जरूरतों से सीधे जुड़ा हुआ है। दूसरी तरफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान सरकार ने देश में जल भंडारण क्षमता बढ़ाने का फैसला किया है। ऐसे में उन्होंने संभावित विभागों को वाटर स्टोरेज परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। शरीफ ने भारत पर झुंझलाहट निकालते हुए कहा कि देश में पानी की सुरक्षा को लेकर फैसला लेना जरूरी है क्योंकि दिल्ली की मंशा पानी को हथियार बनाने की है।

भारत और अमेरिका 10 साल के रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे, राजनाथ– हेगसेथ की मुलाकात तय!

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में अमेरिका के समर्थन के लिए अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ के प्रति आभार व्यक्त किया। टेलीफोन पर हुई बातचीत में, उन्होंने भारत–अमेरिका रक्षा साझेदारी को और गहरा करने के लिए चल रही और नई पहलों की समीक्षा करने के लिए एक उत्कृष्ट चर्चा की। पेंटागन के प्रवक्ता ने बताया कि भारत और अमेरिका ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की आगामी दिनों में अपने अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ से मुलाकात के दौरान 10 साल के नए रक्षा साझेदारी ढांचे पर

हस्ताक्षर करने पर सहमति जताई है। अमेरिका के वरिष्ठ रक्षा प्रवक्ता कर्नल क्रिस डिवाइन ने बताया कि यह निर्णय मंगलवार को सिंह और हेगसेथ के बीच फोन पर हुई बातचीत के दौरान लिया गया। हेगसेथ ने उसी दिन पेंटागन में विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की। इस संबंध में लिये गए निर्णय का उल्लेख पेंटागन के एक बयान में किया गया, जो बुधवार को जारी किया गया। यह बयान सिंह और अमेरिकी रक्षा मंत्री हेगसेथ के बीच फोन पर हुई बातचीत के एक दिन बाद आया। बयान में कहा गया है कि हेगसेथ और सिंह ने यह तय किया कि जब वे इस साल अगली बार मिलेंगे, तो अगले 10 साल के लिए अमेरिका–भारत रक्षा 'फ्रेमवर्क' पर दस्तखत करेंगे। बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने भारत को लंबित प्रमुख अमेरिकी रक्षा बिक्री और दोनों देशों के बीच घनिष्ठ रक्षा औद्योगिक सहयोग की अनिवार्यता पर चर्चा की। पेंटागन ने कहा, हेगसेथ ने इस बात पर जोर दिया कि दक्षिण एशिया में अमेरिका भारत को अपना प्रमुख रक्षा साझेदार मानता है। इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा फरवरी 2025 के संयुक्त वक्तव्य में निर्धारित रक्षा लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में दोनों देशों की ओर से की गई प्रगति की समीक्षा की। सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को फोन पर हुई बातचीत में सिंह ने हेगसेथ से आग्रह किया कि तेजस हल्के लड़ाकू विमान के लिए जीई एफ404 इंजन की आपूर्ति में तेजी लाई जाए।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

एफ–35 का फ्यूज कंडक्टर किसने निकाल लिया, अब तो कबाड़ हो रहे यूके के प्लेन की भारत भी ले रहा मौज

ब्रिटिश नेवी का लड़ाकू जहाज क्या नारियल का तेल डालने से उड़ जाएगा। दुश्मनों पर बम और मिसाइलें दागने वाला ये जहाज क्या चिकेन और पराठे खाता है। ब्रिटिश फाइटर जेट का आखिर फ्यूज कंडक्टर किसने निकाल दिया? ऐसे संजीदा सवालों से सोशल मीडिया पटा पड़ा है। ब्रिटेन की नेवी का सबसे आधुनिक स्टील्थ फाइटर जेट एफ 35 बी करीब 18 दिनों से केरल के तिरुवंतपुरम में अटका हुआ है।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।